MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | रविवार, 09 अगस्त, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-218

दिल्ली आईआईटी में बोले मोदी

सिर्फ सवाल मत पूछिए समाधान भी खोजिए

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने और समस्याओं के समाधान खोजने की सीख दी। उन्होंने कहा कि हर पीढ़ी के सामने अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं। मौजूदा पीढ़ी के लिए आने वाला समय बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए विद्यार्थियों को समझना चाहिए कि अगले 35 वर्षों में वे जो काम करेंगे, वही विकसित भारत का आधार बनेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कई पूर्व विद्यार्थियों की सफलता देखी है। इन विद्यार्थियों ने ऐसी समस्याओं को पहचाना, जिन पर पहले किसी का ध्यान नहीं गया था। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि हमेशा सीखते रहें, केवल सवाल न पूछें, बल्कि उनके समाधान भी खोजें। मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने विद्यार्थियों की मनोदशा पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा। प्रधानमंत्री की इस बात पर समारोह में मौजूद लोगों के बीच हंसी का माहौल बन गया।

उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी आने वाले कल के लिए कोई न कोई सपना देख रहा होगा। कोई अपनी पहली तनख्वाह का इंतजार कर रहा होगा, कोई नया उद्यम शुरू करने का सपना देख रहा होगा, तो कोई किसी नई प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा होगा। सभी के अपने-अपने सपने हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विद्यार्थी ऐसे समय में संस्थान से निकल रहे हैं, जब दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा है। प्रौद्योगिकी की रफ्तार इतनी तेज है कि यह कहना मुश्किल है कि अगले 20 से 30 वर्षों में दुनिया कैसी होगी।

बदलाव के साथ चुनौतियां भी आएंगी और अवसर भी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब भी बदलाव आता है, उसके साथ चुनौतियां और अवसर दोनों आते हैं। उद्योग और पेशे का स्वरूप भी बदलता रहेगा। इसलिए विद्यार्थियों को स्वयं को लगातार तैयार रखना चाहिए और हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संस्थान के परिसर का जीवन और वास्तविक जीवन में बहुत अंतर होता है। आईआईटी में पाठ्यक्रम होता है और यह पता होता है कि कौन-सी परीक्षा देनी है तथा कौन-सा पाठ्यक्रम पढ़ना है। लेकिन वास्तविक जिंदगी में सब कुछ पाठ्यक्रम से बाहर होता है। वहां व्यक्ति को स्वयं यह पहचानना पड़ता है कि असली सवाल क्या है और उसका समाधान कैसे निकाला जाए।

हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर पीढ़ी के सामने अलग-अलग चुनौतियां और दायित्व होते हैं। देश ने गुलामी का दौर देखा है। उस समय की पीढ़ी के सामने आजादी हासिल करना सबसे बड़ा लक्ष्य था। इसके लिए लोगों ने लंबा संघर्ष किया और त्याग तथा बलिदान दिए।

उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी की चुनौतियां और जिम्मेदारियां अलग हैं। अगले 35 वर्षों में विद्यार्थी जो काम करेंगे, उससे देश की कौन-सी जरूरत पूरी होगी, यह उन्हें स्वयं तय करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझने और अपने ज्ञान का उपयोग देश की प्रगति के लिए करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने परम प्रज्ञा सुपरकंप्यूटर का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं और पदक पहनाए। समारोह में 3,000 से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। इनमें पीएचडी कर रहे 587 विद्यार्थी भी शामिल थे।प्रधानमंत्री ने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में स्थापित ङ्कपरम प्रज्ञाफ नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उच्च-प्रदर्शन सुपरकंप्यूटर का दूरस्थ माध्यम से उद्घाटन किया। इस सुपरकंप्यूटर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आंकड़ा विज्ञान, उन्नत संगणना और अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिलने की उम्मीद है।

देश में अब तक 37 सुपरकंप्यूटर स्थापित

भारत में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत अब तक 37 सुपरकंप्यूटर स्थापित किए जा चुके हैं और ये सभी चालू हैं। इन सुपरकंप्यूटरों को देश के प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, भारतीय विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, उन्नत संगणना विकास केंद्र, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों और अन्य शोध संस्थानों में स्थापित किया गया है।

इनमें परम सिद्धि पुणे, परम प्रवेग भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु, परम शक्ति आईआईटी खड़गपुर, परम संगणक आईआईटी कानपुर, परम सेवा आईआईटी हैदराबाद, परम रुद्र नई दिल्ली, मुंबई और चेन्नई, परम ब्रह्मा पुणे, परम युक्ति बेंगलुरु और परम शिवाय आईआईटी-बीएचयू वाराणसी ▶8पर

एक ही आधार नंबर

दो नाम और दो सरकारी वेतन!

तेलंगाना में डुप्लिकेट सरकारी कर्मचारियों के 40 संदिग्ध मामलों में 80 कर्मचारियों की पहचान

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 08अगस्त

तेलंगाना में सरकारी कर्मचारियों के रिकॉर्ड की जांच के दौरान एक गंभीर मामला सामने आया है। वित्त विभाग ने कथित तौर पर ऐसे 40 संदिग्ध आधार नंबरों की पहचान की है, जिनसे जुड़े दो-दो अलग-अलग कर्मचारी रिकॉर्ड सामने आए हैं। इस तरह कुल करीब 80 कर्मचारियों के विवरण सामने आए हैं, जिनके अलग-अलग नाम और कर्मचारी आईडी होने के बावजूद आधार नंबर एक ही पाया गया।

मिडिया स्त्रोतों की रिपोर्ट के अनुसार ये कर्मचारी पुलिस, राजस्व, शिक्षा, पंचायत राज, सार्वजनिक स्वास्थ्य सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों में कार्यरत बताए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी संबंधित कर्मचारी नियमित कर्मचारी हैं और नियमित वेतन मद से वेतन प्राप्त कर रहे हैं।

जांच में कुछ मामलों में एक ही आधार नंबर पर अलग-अलग नामों से कर्मचारी दर्ज पाए गए। कुछ रिकॉर्ड में एक ही आधार नंबर पर एक जगह पुरुष और दूसरी जगह महिला के रूप में विवरण दर्ज होने की बात भी सामने आई है। कुछ मामलों में अलग-अलग धार्मिक पहचान वाले नामों से कर्मचारी रिकॉर्ड दर्ज होने का भी उल्लेख किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त विभाग ने अप्रैल से जून 2026 तक तीन महीनों के वेतन रिकॉर्ड की जांच की। इन संदिग्ध मामलों में अलग-अलग कर्मचारियों को लगभग 1.50 लाख से लेकर 5 लाख तक वेतन मिलने की जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट में सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, सिंचाई विभाग, जनजातीय कल्याण विभाग, राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, सहकारिता विभाग, पंचायत राज तथा डीजीपी कार्यालय से जुड़े कई उदाहरण भी दिए गए हैं, जहां एक ही आधार नंबर के साथ दो अलग-अलग कर्मचारी आईडी और वेतन भुगतान दर्ज होने की बात कही गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य सचिव संजय जाजू ने तत्काल विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। संबंधित विभागों को एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

यदि जांच में यह साबित होता है कि किसी कर्मचारी ने जानबूझकर अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर एक से अधिक सरकारी वेतन प्राप्त किया, तो उसके खिलाफ सेवा नियमों के तहत कार्रवाई, अवैध रूप से प्राप्त राशि की वसूली और आपराधिक कार्रवाई की जा सकती है। वहीं, यदि किसी अधिकारी की मिलीभगत या जानबूझकर की गई लापरवाही सामने आती है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, फिलहाल इन सभी मामलों को अंतिम रूप से 'फर्जी कर्मचारी' या 'घोटाला साबित कहना उचित नहीं होगा। सरकार की विभागीय जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि ये मामले जानबूझकर की गई धोखाधड़ी, रिकॉर्ड में गड़बड़ी या किसी तकनीकी त्रुटि के कारण सामने आए हैं। मिडिया रिपोर्ट में भी इन संभावनाओं की जांच किए जाने की बात कही गई है।

सवाल यह है कि सरकारी नौकरी में भर्ती से लेकर दस्तावेज सत्यापन, कर्मचारी आईडी बनाने और हर महीने वेतन जारी करने तक कई स्तरों की प्रक्रिया होने के बावजूद एक ही आधार नंबर से दो अलग-अलग कर्मचारी रिकॉर्ड और दो वेतन भुगतान कैसे संभव हुए ?

प्रमुख संदिग्ध मामले !

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग में डी. प्रमीलारानी और के. प्रमील के नाम पर एक ही आधार नंबर से दो नौकरी रिकॉर्ड होने की बात सामने आई है। ▶8पर

लोकसभा में कल पेश होंगे चार बड़े विधेयक

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को लोकसभा में केंद्र सरकार अपने विधायी एजेंडे के तहत चार महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इनमें केरल का नाम बदलकर ङ्ककेरलमफ करने से लेकर सहकारिता, न्यायाधिकरण व्यवस्था और खनन क्षेत्र में बड़े बदलाव से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। इन विधेयकों को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर विशेष नजर बनी हुई है।

गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में केरल (नाम में परिवर्तन) विधेयक, 2026 पेश करेंगे। यह विधेयक केरल विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव के बाद लाया जा रहा है। केंद्र सरकार की मंत्रिमंडल ने पहले ही इस बदलाव को मंजूरी दे दी है।

विधेयक के माध्यम से संविधान की पहली अनुसूची में संशोधन कर राज्य का आधिकारिक नाम केरल से बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव रखा जाएगा। नाम परिवर्तन का यह प्रस्ताव अब संसद की प्रक्रिया से गुजरने वाला है।

अमित शाह ही राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम विधेयक, 2026 भी सदन में पेश करेंगे। इस विधेयक का उद्देश्य सहकारिता क्षेत्र को अधिक वित्तीय मजबूती प्रदान करना है।

विधेयक के लागू होने के बाद प्राथमिक कृषि ऋण समितियों और अन्य सहकारी संस्थाओं को सीधे ऋण तथा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का रास्ता आसान होने की उम्मीद है। इससे सहकारी संस्थाओं की वित्तीय क्षमता बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिल सकती है। ▶8पर

रांची छात्र आंदोलन

बातचीत बेनतीजा, विधायक अनशन पर

रांची, 08 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक और गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को सरकार और आंदोलनकारी छात्र संगठनों के बीच गतिरोध खत्म करने के लिए बातचीत का दूसरा दौर हुआ, लेकिन यह बैठक भी पूरी तरह बेनतीजा साबित हुई। छात्रों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक उनका आंदोलन लगातार जारी रहेगा।

दरअसल, शनिवार को झारखंड सरकार की ओर से गठित मंत्रियों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल और छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा हुई। सरकार की ओर से आंदोलन को समाप्त कराने और दोनों पक्षों के बीच सहमति बनाने के लिए पुरजोर कोशिश की गई। हालांकि, छात्र अपनी पुरानी और प्रमुख मांगों पर अड़े रहे। सरकार की दलीलें और आश्वासन छात्रों को संतुष्ट करने में नाकाम रहे। इसके चलते बातचीत का यह दौर भी किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सका। इससे पहले शुक्रवार देर रात सरकार और छात्रों के बीच पहली बातचीत हुई थी, जो बेनतीजा रही थी। वहीं शनिवार को

दूसरे दौर की बातचीत से भी कोई सहमति नहीं बन पाई।

दो दौर की वार्ता के बाद भी नहीं निकला समाधान।

बातचीत नाकाम रहने के बावजूद सरकार और छात्रों के बीच संवाद के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। आंदोलन को समाप्त कराने और मामले का कोई व्यावहारिक समाधान निकालने के लिए बातचीत का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। मंत्री संजय यादव ने मीडिया को जानकारी दी है कि रविवार दोपहर 12 बजे छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत का एक और दौर होगा। अगली बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि सरकार इस बार छात्रों के गुस्से को शांत करने और आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त कराने के लिए नए विकल्पों पर विचार कर सकती है। गौरतलब है कि झारखंड में झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान कथित प्रश्नपत्र लीक और नियुक्तियों में धांधली को लेकर छात्र लंबे समय से सड़कों पर हैं। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी रांची में डटे हुए हैं और सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों की प्रमुख मांग है कि परीक्षा प्रणाली में पूरी पारदर्शिता लाई जाए, प्रश्नपत्र लीक के मामलों की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे केवल मौखिक आश्वासनों से संतुष्ट होने वाले नहीं हैं, बल्कि उन्हें लिखित और ठोस गारंटी चाहिए। दो बार की बातचीत विफल होने के बाद अब रविवार दोपहर 12 बजे दोनों पक्षों के बीच एक बार फिर बातचीत होगी। इस छात्र आंदोलन के समर्थन में स्थानीय विधायक और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रमुख जयराम महतो भी खुलकर मैदान में उतर गए हैं। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में 9 अगस्त को एक दिवसीय निर्जला अनशन करने का ऐलान किया है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

रील 21वीं सदी का नशा : राहुल गांधी

प्रयागराज, 08 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को प्रयागराज में आयोजित ङ्कछात्रों की गूंजफ कार्यक्रम में करीब 47 मिनट तक छात्रों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं की शिक्षा, रोजगार और देश की मौजूदा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

राहुल गांधी ने कहा कि व्यवस्था ने युवाओं को चक्रव्यूह में फंसा दिया है। युवाओं से कहा जाता है कि जितनी रील बनानी है, बनाओ, जितनी रील देखनी है, देखो, मजदूरी करो और 21वीं सदी का नशा लो, लेकिन नौकरी नहीं मिल सकती।

उन्होंने कहा, परिवारों से लाखों करोड़ रुपये लिए जाते हैं और बदले में बीए-एमए की डिग्री मिलती है, लेकिन यह प्रमाणपत्र रोजगार की गारंटी नहीं देता। आज हजार

युवाओं में से केवल 12 युवाओं को स्थायी नौकरी मिल रही है।

राहुल गांधी ने कार्यक्रम के दौरान मंच पर सात से अधिक छात्र-छात्राओं से बातचीत की और उनसे शिक्षा तथा रोजगार से जुड़े सवाल किए। कार्यक्रम में प्रियंका गांधी की बेटी मिराया भी मौजूद थीं। इस कार्यक्रम मंन उत्तर प्रदेश के 23 जिलों से छात्रों को बुलाया गया था। राहुल गांधी ने कहा कि व्यवस्था ने युवाओं को एक ऐसे चक्रव्यूह में फंसा दिया है, जहां लाखों-करोड़ों रुपये की फीस देने के बाद युवाओं को केवल एक प्रमाणपत्र मिलता है। आज इस प्रमाणपत्र की कोई खास उपयोगिता नहीं है, क्योंकि इससे रोजगार की गारंटी नहीं मिलती।

उन्होंने कहा कि युवाओं से कहा जाता है कि जितनी रील बनानी है, बनाओ और जितनी रील देखनी है, देखो। ब्लिंकिट और उबर जैसी सेवाओं में काम करो, मजदूरी करो और 21वीं सदी का नशा लो, लेकिन नौकरी नहीं मिल सकती।

राहुल गांधी ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के पांच दरवाजे थे, लेकिन वे सभी बंद कर दिए गए हैं।

पहला दरवाजानिर्माण क्षेत्र : उन्होंने कहा कि आज दुनिया में चीन में निर्मित, वियतनाम में निर्मित और बांग्लादेश में ▶8पर

परिसीमन के खिलाफ तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्ताव की तैयारी

चेन्नई, 08 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु में परिसीमन प्रक्रिया के खिलाफ राज्य सरकार ने अपनी आवाज बुलंद करने की तैयारी शुरू कर दी है। शनिवार को मुख्यमंत्री विजय ने इस मुद्दे पर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें तमिलगा वेत्रि कझगम के अलावा कांग्रेस, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कझगम और अन्य दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि, राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कझगम ने इस बैठक से दूरी बनाए रखी। द्रमुक के बैठक में शामिल नहीं होने पर मुख्यमंत्री विजय ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस पार्टी ने तमिलनाडु की राजनीति में करीब 60 वर्षों तक शासन किया और जिसके शुरुआती नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने राज्य के अधिकारों के लिए काफी बलिदान दिया, उसने इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया। सर्वदलीय बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने परिसीमन के मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखी। कांग्रेस के चार सांसदों को भी बैठक में अपनी बात रखने का अवसर मिला। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एलन मस्क ने यूक्रेन को रूस के अंदर ड्रोन हमलों के लिए स्टारलिंक इस्तेमाल करने से रोका

वाशिंगटन/कीव

अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क ने कथित तौर पर यूक्रेन को रूस के अंदर गहराई तक ड्रोन हमले करने के लिए अपनी स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा का इस्तेमाल करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यूक्रेन के पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइल फेडोरोव के दो करीबी सहयोगियों के हवाले से यह दावा किया है।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) ने अमेरिकी मैगजीन द अटलांटिक के हवाले से बताया कि ड्रोन युद्ध के प्रमुख समर्थक और तकनीकी मामलों के जानकार मिखाइल फेडोरोव को पिछले महीने उनके पद से हटा दिया गया था। इसके बाद उनके सहयोगियों ने कथित तौर पर मस्क से स्टारलिंक के इस्तेमाल को लेकर अपना रुख बदलने की अपील की, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक फैसला नहीं हुआ है।

फेडोरोव के एक सहयोगी के मुताबिक, मस्क लगातार यह संदेश दे रहे हैं कि अब रूस और यूक्रेन के बीच समझौते का समय आ गया है। वहीं, मिखाइल फेडोरोव को पद से हटाए जाने के फैसले ने भी यूक्रेन में चर्चा तेज कर दी है। रिपोर्टों के मुताबिक, फेडोरोव की रणनीतिक प्राथमिकताओं और सैन्य नेतृत्व के बीच मतभेद थे।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने अमेरिका यात्रा के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मस्क को प्रभावित करने में मदद मांगी थी। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने इस संबंध में कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के कुछ ही समय बाद मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने यूक्रेन को हजारों स्टारलिंक टर्मिनल उपलब्ध कराए थे। युद्ध के दौरान यह सेवा यूक्रेनी सेना और नागरिक संचार के लिए महत्वपूर्ण बनी रही।

हालांकि, समय के साथ मस्क और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच मतभेद बढ़ते गए। मस्क ने कई मौकों पर रूस-यूक्रेन संघर्ष को बातचीत के जरिए खत्म करने की वकालत की और चेतावनी दी कि युद्ध के बढ़ने से व्यापक वैश्विक संघर्ष का खतरा पैदा हो सकता है।

2023 में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि मस्क ने यूक्रेन के उस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया था, जिसमें रूस के कब्जे वाले क्रीमिया के पास रूसी ब्लैक सी फ्लीट पर हमला करने के लिए स्टारलिंक का इस्तेमाल करने की मांग की गई थी।

उस समय मस्क ने कहा था कि ऐसा करने से उनकी कंपनी स्पेसएक्स सीधे तौर पर युद्ध और संघर्ष को बढ़ाने वाली कार्रवाई में शामिल हो जाती।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने पिछले महीने कहा था कि अगर मस्क वास्तव में चाहते हैं कि यूक्रेन में लोगों की मौत बंद हो, तो उन्हें वहां स्टारलिंक सेवा पूरी तरह बंद कर देनी चाहिए।

हालांकि, मस्क का मौजूदा रुख यूक्रेन की सैन्य और कूटनीतिक रणनीति के लिए चुनौती माना जा रहा है। यूक्रेन के लिए स्टारलिंक युद्ध के दौरान संचार और सैन्य अभियानों में महत्वपूर्ण तकनीकी संसाधन रहा है।

स्टारलिंक को लेकर सामने आई इस रिपोर्ट के बीच यूक्रेन को रूसी हवाई हमलों से निपटने के लिए एयर डिफेंस सिस्टम की कमी की भी चिंता बनी हुई है। जेलेंस्की और यूक्रेनी सैन्य अधिकारियों ने हाल के दिनों में देश के शहरों पर रूसी हमलों के खिलाफ पर्याप्त इंटरसेप्टर उपलब्ध होने को लेकर चिंता जताई है।

कुल मिलाकर, स्टारलिंक को लेकर मस्क का कथित रुख यूक्रेन के लिए एक अहम चुनौती है, क्योंकि यह तकनीक युद्ध के दौरान यूक्रेनी संचार और सैन्य अभियानों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। हालांकि, रूस के अंदर गहरे हमलों के लिए स्टारलिंक के इस्तेमाल को लेकर मस्क के मौजूदा निर्णय की स्वतंत्र पुष्टि अभी स्पष्ट नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान, मोदी से होगी अहम मुलाकात

ढाका। नई दिल्ली में अगले महीने आयोजित हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का शामिल होना तय माना जा रहा है। इस सिलसिले में आगामी दस अगस्त को ढाका में नियुक्त भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी और प्रधानमंत्री तारिक रहमान के बीच अहम बैठक होने वाली है। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग से जुड़े एक विश्वस्त सूत्र ने बताया कि इस बैठक में अंतिम निर्णय के बाद आधिकारिक रूप से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने की घोषणा की जाएगी। इस दौरान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच होने वाली संभावित बैठक का समय भी निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने, आर्थिक सहयोग सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। भारत के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के दौरान बांग्लादेश की ओर से किन-किन मुद्दों को उठाया जाएगा, इस पर आठ अगस्त को प्रधानमंत्री कार्यालय में होने वाली एक महत्वपूर्ण बैठक में निर्णय लिया जाएगा। बिम्सटेक के अध्यक्ष के रूप में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को आमंत्रित किया है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर कई हमले, पुलिस अधिकारी की मौत

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हथियारबंद लड़ाकों ने नोशकी, डलबंदिन, चगाई, खारन और बोलान समेत कई इलाकों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और अन्य वाहनों को निशाना बनाया। इन घटनाओं में एक पुलिस अधिकारी की मौत की खबर है, जबकि सुरक्षा बलों के संभावित हताहत होने की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि, अधिकांश घटनाओं में हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आनलाइन समाचार नेटवर्क द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक स्थानीय सूत्रों ने बताया कि नोशकी में सुल्तान चराई के पास पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया। हमलावरों ने स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किया। इस हमले में सुरक्षा बल के जवानों के हताहत होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। डलबंदिन के आसपास भी कई हमलों की खबर सामने आई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, क्वेटा-ताफ़्तन ट्रेड रूट पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और व्यावसायिक वाहनों के काफिले को निशाना बनाया गया।

नेपाल सरकार ने पेश किया वेलनेस टूरिज्म का नया रोडमैप, काठमांडू बनेगा आध्यात्मिक-सांस्कृतिक हब

काठमांडू। नेपाल सरकार ने पर्यटन क्षेत्र में नई पहचान बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय वेलनेस पर्यटन रणनीति 2026-2035 और पांच वर्षीय रणनीतिक कार्ययोजना 2026-2030 सार्वजनिक की है। संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय की इस रणनीति का लक्ष्य नेपाल को एक उत्कृष्ट और बहुआयामी वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करना है। इस रणनीति के तहत देश के अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों की विशेषताओं के आधार पर विशिष्ट वेलनेस हब विकसित किए जाएंगे। काठमांडू को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकीकरण केंद्र के रूप में आगे बढ़ाने की योजना है। यहां विरासत-आधारित योग केंद्र, बौद्ध ध्यान केंद्र और पारंपरिक स्पा सेवाओं को एकीकृत रूप में उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई है। मंत्रालय के अनुसार, नेपाल प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता, आध्यात्मिक विरासत और पारंपरिक उपचार पद्धतियों का अनूठा संगम है। इन्हीं विशेषताओं को आधार बनाकर वेलनेस पर्यटन के माध्यम से देश में टिकाऊ आर्थिक समृद्धि का नया रास्ता तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की नई रणनीति में पर्यटन क्षेत्र में बिखरी हुई वेलनेस सेवाओं को एकीकृत करने, आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा तैयार करने, सेवाओं का प्रमाणीकरण करने और दक्ष जनशक्ति विकसित करने पर जोर दिया गया है। सरकार का मानना है कि इससे नेपाल को अंतरराष्ट्रीय स्तर की वेलनेस सेवाएं उपलब्ध कराने वाले गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

सऊदी अरब-तुर्की-पाकिस्तान रक्षा समझौते पर यमन का पलटवार, कहा- गठबंधन का जवाब देंगे

सना/रियाद

सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच हुए संयुक्त रक्षा समझौते के बाद यमन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यमन के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सऊदी अरब के साथ मिलकर यमन के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई या घेराबंदी में शामिल होने वाले देश को हमलावर माना जाएगा, चाहे इसके लिए कोई भी कारण या नाम दिया जाए।

सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। तीनों देशों के मुताबिक, इसका उद्देश्य किसी भी संभावित आक्रामकता के खिलाफ सामूहिक सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करना है। समझौते के तहत किसी एक देश पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति को तीनों देशों पर हमला माना जाएगा।

समझौते के बाद यमन की राजधानी सना की ओर से इसकी आलोचना की गई। यमन की सुप्रीम पालिटिकल काउंसिल के अध्यक्ष महदी अल-मशात ने कहा कि नए समझौते को यमन के खिलाफ सऊदी कार्रवाई जारी रखने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि समझौते पिछली तारीख से लागू नहीं होते और यमन की ओर से घेराबंदी के बदले घेराबंदी की नीति तब तक जारी रहेगी, जब तक उसके घोषित उद्देश्य पूरे नहीं हो जाते।

अल-मशात ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी देश सऊदी अरब के साथ उसकी लंबे समय से चली आ रही सैन्य कार्रवाई और घेराबंदी में शामिल होगा, उसे यमन की नजर में हमलावर माना जाएगा।

उन्होंने सऊदी नेतृत्व से युद्ध के बजाय राजनीतिक समाधान और अच्छे पड़ोसी संबंधों की दिशा में आगे बढ़ने की अपील भी की। यमन के विदेश मंत्रालय ने भी संयुक्त रक्षा समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे किसी भी क्षेत्रीय गठबंधन को लेकर सवाल उठेंगे, जिसका उद्देश्य फिलिस्तीनी मुद्दे के समर्थन और इजरायल के खिलाफ कार्रवाई के बजाय किसी मुस्लिम देश के खिलाफ दबाव बढ़ाना हो। मंत्रालय ने रियाद से यमन के खिलाफ कथित सैन्य कार्रवाई और घेराबंदी समाप्त करने की अपील की। बयान में कहा गया कि आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर यमन में जवाबदेही से बचना संभव नहीं होगा।

यमनी मंत्रालय ने यह भी कहा कि कोई भी समझौता किसी पक्ष को दूसरे देश के अधिकारों का उल्लंघन करने या कथित अपराधों के लिए जवाबदेही से बचने का अधिकार नहीं देता। यमन के अंसारुल्लाह आंदोलन से जुड़े मोहम्मद अल-फराह ने भी समझौते की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ चाहे कितने भी गठबंधन बनें, घेराबंदी समाप्त करने के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने तुर्की, पाकिस्तान और अन्य मुस्लिम देशों से अपील की कि वे किसी मुस्लिम देश के खिलाफ सैन्य कार्रवाई या घेराबंदी के लिए राजनीतिक आड़ उपलब्ध न कराएं। यमन और सऊदी अरब के बीच तनाव की जड़ें वर्षों पुराने संघर्ष में हैं। 26 मार्च 2015 को सऊदी अरब और उसके सहयोगी देशों ने यमन में सैन्य अभियान शुरू किया था। इस अभियान को अमेरिका और कुछ पश्चिमी देशों से सैन्य, राजनीतिक और लाजिस्टिक समर्थन भी मिला था। इस संघर्ष में हजारों लोगों की मौत हुई है और यमन में गंभीर मानवीय संकट पैदा हुआ। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन का घोषित उद्देश्य यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को फिर से सत्ता में लाना था, लेकिन यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल नहीं हो सका। 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से संघर्ष विराम की स्थिति बनी थी, हालांकि क्षेत्र में तनाव और सैन्य गतिविधियां पूरी तरह खत्म नहीं हुईं। यमन का यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय तनाव पहले से ही बना हुआ है। सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के नए रक्षा समझौते ने क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों को लेकर चर्चा बढ़ा दी है। यमन की ओर से दिए गए बयानों से स्पष्ट है कि सना इस समझौते को लेकर सतर्क है और इसे अपने खिलाफ संभावित सैन्य दबाव के संदर्भ में देख रहा है। दूसरी ओर, तीनों समझौता करने वाले देशों ने इसे सामूहिक सुरक्षा और रक्षा सहयोग मजबूत करने की पहल बताया है। ऐसे में आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नया रक्षा समझौता क्षेत्रीय सुरक्षा पर कितना प्रभाव डालता है और इसका यमन-सऊदी संबंधों पर क्या असर पड़ता है।

सुनसरी हिंसा में 112 घर जलाए गए, 61 वाहन क्षतिग्रस्त

काठमांडू

नेपाल के सुनसरी जिले के देवानगंज नगरपालिका में दो समूहों के बीच हुई झड़प और उसके बाद पैदा हुए तनाव में बड़े पैमाने पर भौतिक क्षति हुई है। जिला पुलिस कार्यालय, सुनसरी द्वारा जुटाए गए प्रारंभिक विवरण के अनुसार हिंसा में 112 घरों और अन्य भौतिक संरचनाओं तथा 61 वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

पुलिस के मुताबिक, यह विवाद 25 जुलाई की शाम बोलबम यात्रा पर निकल रहे हिन्दू कांवरिया पर मुसलमानों के समूह द्वारा किए गए हमले के बाद शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद दो समूहों के बीच झड़प में बदल गया। इसके बाद कप्तानगंज सहित सुनसरी जिले के विभिन्न इलाकों में तोड़फोड़, आगजनी और हिंसक प्रदर्शन हुए।

पुलिस के अनुसार, तोड़फोड़ और आगजनी से प्रभावित 112 घरों एवं अन्य संरचनाओं में 23 पक्के मकान पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। वहीं, 34 कच्चे मकानों में से 25 मकान आग लगने से पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। इसके अलावा 50 घर, दो मंदिरों, पांच अन्य संरचनाओं और एक ईंट-भट्ठे को भी तोड़फोड़ और आगजनी से नुकसान पहुंचा है। हिंसा के दौरान 61 वाहनों को भी क्षति पहुंची है। इनमें 44 दोपहिया और पांच चारपहिया वाहन पूरी तरह नष्ट हो गए हैं।

पुलिस के अनुसार, घटना के बाद पैदा हुए तनाव के दौरान प्रदर्शनकारियों ने सुनसरी के विभिन्न स्थानों पर 52 मोटरसाइकिल और स्कूटर, आठ सिटी सफारी तथा चार चारपहिया वाहनों में आगजनी और तोड़फोड़ की।

जिला पुलिस प्रमुख एसपी पुष्पराज मल्ल ने बताया कि हिंसा में हुई क्षति का विस्तृत विवरण जुटाने का काम अभी जारी है। क्षति से संबंधित शिकायतें प्राप्त करने और उपलब्ध विवरण का सत्यापन करने की प्रक्रिया चल रही है। इसलिए नुकसान का अंतिम आंकड़ा अभी बढ़ सकता है। कप्तानगंज के नया हटिया इलाके में 25 जुलाई की शाम हुई हिंसक घटना के दौरान गोली लगने से स्थानीय युवकों ओमप्रकाश मेहता, जयप्रकाश मेहता और रवीन्द्र मेहता की मौत हो गई थी। इस घटना में कुल 40 लोग घायल हुए थे। इनमें से 12 घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जबकि 25 लोग उपचार के बाद अपने घर लौट चुके हैं। घटना की जांच के लिए गठित समिति का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है। गृह मंत्रालय ने सहसचिव भूपेन्द्र थापा के नेतृत्व वाली जांच समिति का कार्यकाल 15 दिन के लिए बढ़ा दिया। इससे पहले गृह मंत्रालय ने 26 जुलाई 2026 को समिति का गठन करते हुए उसे जांच के लिए एक सप्ताह का समय दिया था।

पहले सूरज बनाया अब चंद्रमा बनाने में जुटा चीन

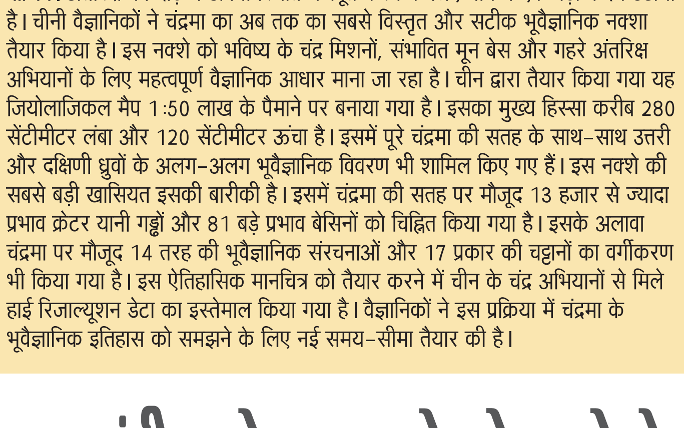

बीजिंग। अंतरिक्ष की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए चीन ने एक बड़ा कदम उठाया है। चीनी वैज्ञानिकों ने चंद्रमा का अब तक का सबसे विस्तृत और सटीक भूवैज्ञानिक नक्शा तैयार किया है। इस नक्शे को भविष्य के चंद्र मिशनों, संभावित मून बेस और गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आधार माना जा रहा है। चीन द्वारा तैयार किया गया यह जियोलाजिकल मैप 1:50 लाख के पैमाने पर बनाया गया है। इसका मुख्य हिस्सा करीब 280 सेंटीमीटर लंबा और 120 सेंटीमीटर ऊंचा है। इसमें पूरे चंद्रमा की सतह के साथ-साथ उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के अलग-अलग भूवैज्ञानिक विवरण भी शामिल किए गए हैं। इस नक्शे की सबसे बड़ी खासियत इसकी बारीकी है। इसमें चंद्रमा की सतह पर मौजूद 13 हजार से ज्यादा प्रभाव क्रेटर यानी गड्ढों और 81 बड़े प्रभाव बेसिनों को चिह्नित किया गया है। इसके अलावा चंद्रमा पर मौजूद 14 तरह की भूवैज्ञानिक संरचनाओं और 17 प्रकार की चट्टानों का वर्गीकरण भी किया गया है। इस ऐतिहासिक मानचित्र को तैयार करने में चीन के चंद्र अभियानों से मिले हाई रिजाल्यूशन डेटा का इस्तेमाल किया गया है। वैज्ञानिकों ने इस प्रक्रिया में चंद्रमा के भूवैज्ञानिक इतिहास को समझने के लिए नई समय-सीमा तैयार की है।

रूस से तेल खरीदने वाले भारत समेत 5 देशों पर अमेरिकी शिकंजा, 100 प्रतिशत टैरिफ वाले बिल को सीनेट की मंजूरी

वाशिंगटन

रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर अमेरिका ने दबाव बढ़ाने की तैयारी तेज कर दी है। अमेरिकी सीनेट ने लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट आफ 2026 को 86-11 के भारी बहुमत से मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित कानून के तहत रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अज़रबैजान से होने वाले अमेरिकी आयात पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का रास्ता खुल सकता है। हालांकि, यह टैरिफ अभी लागू नहीं हुआ है और बिल को कानून बनने के लिए आगे की प्रक्रिया से गुजरना होगा।

ब्रिटिश दैनिक समाचार पत्र द गार्डियन

व अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस कानून के संभावित प्रभाव वाले प्रमुख देशों में शामिल है, क्योंकि 2022 के बाद से भारत रूसी कच्चे तेल का बड़ा खरीदार बना हुआ है। हालांकि, सीनेट से बिल पास होने का मतलब यह नहीं है कि भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ तुरंत लागू हो गया है। बिल को अभी अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स) से मंजूरी और उसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की जरूरत होगी।

यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूसी ऊर्जा पर प्रतिबंध लगाए जाने के बीच भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना बढ़ाया। इससे भारतीय रिफाइनरियों को अपेक्षाकृत कम कीमत पर कच्चा तेल मिला और देश की ऊर्जा आपूर्ति को संभालने में मदद मिली।

लेकिन इसी वजह से भारत अब अमेरिकी प्रतिबंधों के संभावित दायरे में आ सकता है। प्रस्तावित कानून के तहत यदि राष्ट्रपति इसका इस्तेमाल करते हैं, तो रूस से ऊर्जा खरीदने वाले प्रमुख देशों से अमेरिका में आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है।

इसका सीधा असर भारतीय निर्यातकों पर पड़ सकता है। अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पाद महंगे होने से उनकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति कमजोर हो सकती है और भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर भी दबाव बढ़ सकता है।

इस बिल को लेकर सबसे अहम बात यह है कि भारत पर अभी कोई नया 100 प्रतिशत टैरिफ लागू नहीं हुआ है। कानून बनने के लिए बिल को पहले हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स से पारित होना होगा। इसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से यह कानून बनेगा। कानून बनने के बाद भी टैरिफ लगाना स्वत: अनिवार्य नहीं होगा, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास यह तय करने का अधिकार होगा कि इस प्रावधान का इस्तेमाल कब और किन देशों के खिलाफ किया जाए।

बिल सिर्फ रूस से तेल खरीदने वाले देशों को निशाना नहीं बनाता। इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, शीर्ष सैन्य अधिकारियों, कारोबारी समूहों, वित्तीय संस्थानों और ऊर्जा क्षेत्र पर नए प्रतिबंध लगाने का प्रावधान भी है।

रूसी तेल के परिवहन में इस्तेमाल होने वाले तथाकथित शैडो फ्लीट के खिलाफ कार्रवाई को भी प्रस्तावित प्रतिबंधों का हिस्सा बनाया गया है। इसके अलावा, रूस के निर्यात पर 500प्रतिशत तक टैरिफ लगाने से जुड़े प्रावधान भी बिल में शामिल हैं। विधेयक में ईरान से जुड़े प्रतिबंधों को मजबूत करने के प्रावधान भी हैं। इसका उद्देश्य ईरान के ऊर्जा और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों पर अमेरिकी आर्थिक दबाव बनाए रखना है।

बिल को रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों सांसदों का व्यापक समर्थन मिला। यह 86-11 के भारी बहुमत से पारित हुआ। हालांकि, कुछ सांसदों ने राष्ट्रपति को व्यापक टैरिफ अधिकार दिए जाने पर आपत्ति जताई।

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के पोस्ट से नेपाल में सियासी हलचल, लिखा- कभी-कभी अकेले लड़ना पड़ता है

काठमांडू

नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के भीतर बढ़ते मतभेदों के बीच प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के आधी रात किए गए एक सोशल मीडिया पोस्ट ने राजनीतिक चर्चाओं को तेज कर दिया है। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में किसी नेता, पार्टी या विवाद का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया, लेकिन उनके संदेश को मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है।

बालेन शाह ने फेसबुक पर लिखा, कुछ समय लगेगा, सही समय आने के लिए। देर होगी, लेकिन गलत नहीं होगा। न घबराएं। सुनी और देखी गई बातों से वास्तविकता कभी-कभी अलग हो सकती है। कभी-कभी अकेले लड़ना पड़ता है। यह पहली बार नहीं है।

प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय सामने आया है जब उनकी अपनी पार्टी के कुछ सांसद सरकार की कार्यशैली और विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर सार्वजनिक रूप से सवाल उठा रहे हैं।

आरएसपी सांसदों ने हाल के दिनों में संसद में सरकार से कई मुद्दों पर जवाब मांगा है। इनमें आम नागरिकों की दैनिक समस्याओं के अलावा रसोई गैस की कमी, रासायनिक खाद की उपलब्धता, किसानों की परेशानियां, गरीबों के अंतिम संस्कार से जुड़े खर्च और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे मुद्दे शामिल हैं।

सत्ता पक्ष के सांसदों की ओर से ही सरकार कहां है जैसे सवाल उठाए जाने को पार्टी के भीतर बढ़ती बेचैनी के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री को सांसदों की आलोचना के अलावा पार्टी के कुछ नेताओं और समर्थक समूहों की ओर से भी सरकार की कार्यशैली को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

इस बीच प्रधानमंत्री बालेन शाह और आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने के बीच राजनीतिक समन्वय को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। पार्टी संगठन और सरकार के बीच अपेक्षित तालमेल को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

हालांकि, दोनों नेताओं के बीच मतभेद की वास्तविक प्रकृति को लेकर सार्वजनिक रूप से कोई स्पष्ट तस्वीर सामने नहीं आई है। ऐसे में दोनों के बीच दूरी की खबरों को फिलहाल राजनीतिक अटकलों के तौर पर ही देखा जा रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में शाह के पोस्ट में लिखा गया कभी-कभी अकेले लड़ना पड़ता है वाक्य खासा चर्चा में है। शाह के पोस्ट की शुरुआत भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्होंने लिखा, कुछ समय लगेगा, सही समय आने के लिए। देर होगी, लेकिन गलत नहीं होगा।

प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस निर्णय या घटनाक्रम की ओर इशारा कर रहे हैं। इसलिए यह तय करना संभव नहीं है कि उनका संकेत किसी प्रशासनिक फैसले, पार्टी के भीतर बदलाव, सरकार के किसी बड़े निर्णय या भविष्य की राजनीतिक रणनीति से जुड़ा है।

हालांकि, मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में उनके संदेश को इस संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि वह तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय किसी फैसले के लिए सही समय का इंतजार कर रहे हैं।

बालेन्द्र शाह राजनीति में आने से पहले काठमांडू महानगर के मेयर के रूप में अपनी अलग कार्यशैली के लिए चर्चा में रहे हैं। पारंपरिक राजनीतिक व्यवस्था से अलग उनकी छवि ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में भी एक अलग पहचान दिलाई।

अब प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें अपने ही राजनीतिक संगठन के भीतर से आलोचना और सवालों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अकेले लड़ने वाली टिप्पणी को कुछ लोग उनकी पुरानी राजनीतिक शैली से जोड़कर देख रहे हैं।

आरएसपी के सत्ता में आने के बाद सरकार और पार्टी संगठन के बीच संतुलन बनाए रखना नेतृत्व के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। एक ओर बालेन शाह सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं, वहीं रवि लामिछाने पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पार्टी में बड़ी संख्या में नए सांसदों और नेताओं के आने के बाद नेतृत्व, निर्णय प्रक्रिया और सरकार की जवाबदेही को लेकर अलग-अलग अपेक्षाएं भी सामने आई हैं। अगर पार्टी के भीतर असहमति और सार्वजनिक होती है, तो इसका असर सरकार की स्थिरता और प्रधानमंत्री शाह के नेतृत्व पर पड़ सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। पारिवारिक समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी ज़िन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं। लेकिन बाद में आपको महसूस होगा कि जो हुआ, अच्छे के लिए ही हुआ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बच्चे आपके मुताबिक़ नहीं चलेंगे, जो आपके झुंझलाहट की वजह बन सकता है। आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेंगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर पर काम करते समय ख़ास सावधानी बरतें। घरेलू चीज़ों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। बच्चों के साथ ज़्यादा सख़्ती उन्हें नाराज़ कर सकती है। ख़ुद को नियंत्रित रखने और यह याद रखने की ज़रूरत है कि ऐसा करने से आप अपने और उनके बीच दीवार खड़ी कर लेंगे। आपमें बहुत–कुछ हासिल करने की क्षमता है– इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट–से दबोच लें। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 अगस्त 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी प्रातः 11:07 तक
नक्षत्र : मृगशिरा दोपहर 02:44 तक
योग : हर्षण रात्रि 02:04 तक
करण : बालव प्रातः 11:04 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:57,सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कामिका एकादशी व्रत , चातुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जिंदगी में सच्चा गुरु ही है, जो जीवन को सुधार सकता है : राजमतीजी म.सा.

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास 2026 के अंतर्गत बम्ब सिंघी भवन में चातुर्मासिक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन जारी है। परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य प.पू. गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. ङ्मधुकरफ की पावन परंपरा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. ङ्भीमफ के पावन सान्निध्य से प्रेरित तथा जिन शासन चंद्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएं जिन शासन दीपिका मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. ङ्राजुलफ, मुस्कानप्रिय स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. एवं नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. सुखसाता पूर्वक विराजमान हैं।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में संघ के उपाध्यक्ष ज्ञानचंद रांका ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ महासती श्री विनयश्रीजी म.सा. के प्रेरक प्रवचन से हुआ। उन्होंने अपनी प्रवचन यात्रा की शुरुआत भावपूर्ण गीतिकामेरी लगी प्रभु संग प्रीत, दुनिया क्या जाने, मेरी लगी गुरु संग प्रीत, दुनिया क्या जाने, मैं तो गाऊं प्रभु के गीत, दुनिया वाले क्या जानेसे की।

महासती श्री विनयश्रीजी म.सा. ने कहा कि जिनेश्वर की जिनवाणी पतित–पावन वाणी है। जब हम इस वाणी को सुनते हैं तो यह हमें अच्छी लगती है। उन्होंने गुड़ का उदाहरण देते हुए कहा कि हमने गुड़ को देखा भी है और खाया भी है। गुड़ का स्वभाव मीठा होता है। चाहे उसे अंधेरे में खाएं या उजाले में, कहीं भी और कभी भी खाएं, उसके स्वाद में कोई अंतर नहीं आता। वह कभी अपना स्वाद या मिठास नहीं छोड़ता।

उन्होंने कहा कि उसी प्रकार वीतराग प्रभु की आगम वाणी भी किसी परिस्थिति में और किसी भी समय सुनें, तो हर पल मीठी, सच्ची और अच्छी लगती है। आगम में जो भी बताया गया है, वह तीनों काल में सत्य है और सत्य ही रहेगा।

उन्होंने कहा कि जब तक हम जागेंगे नहीं और अपने जीवन में परिवर्तन नहीं करेंगे, तब तक हम तैर नहीं पाएंगे। महावीर की वाणी कहती है कि हमने बाहर की दुनिया, संसार और आडंबर को देख लिया तथा उसका अवलोकन भी कर लिया, लेकिन प्रभु की वाणी कहती है कि हमने अपने भीतर का अवलोकन नहीं किया।

उन्होंने कहा, बाहर की आंखें खुलीं तो संसार दिखाई दिया और भीतर की आंखें खुलीं तो भगवान दिखाई देंगे। जागो तो पाओगे, सोए तो खो दोगे। हमें इतना सुंदर मनुष्य भव और आर्य क्षेत्र मिला है। जब जागना चाहिए, तब हम जागते नहीं और जब नहीं जागना होता, तब जागते हैं।

उन्होंने कहा कि जिस लगन, उत्साह और रुचि के साथ हम संसार के काम–काज करते हैं, यदि उसी प्रकार धर्म और आत्मचिंतन के प्रति भी लगन एवं रुचि दिखाएं तो हमारे कर्म क्षीण होंगे। हम जाग चुके हैं, लेकिन हमें मोह रूपी निद्रा से जागना है। जब हम इस निद्रा से जाग जाएंगे, तभी सच्चे धर्म की ओर आगे बढ़ेंगे।

महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि जो स्वयं जागेगा, वही दूसरों को भी जगाएगा। जो स्वयं प्रमाद में रहेगा, वह दूसरों को भी प्रमाद में ही रखेगा।

उन्होंने कहा कि हम धर्म से तो जुड़ गए, लेकिन जीवन में कोरे ही कोरे रह गए। मनुष्य जन्म, आर्य क्षेत्र, उत्तम कुल और उच्च कोटि का भाव प्राप्त हुआ है, लेकिन यदि इसका सदुपयोग नहीं किया तो हमारा समय खाली का खाली ही रह जाएगा।

उन्होंने कहा कि दिन के आठ पहर, रात के चार पहर, सियाले के चार महीने और चातुर्मास के चार महीने होते हैं। आनंद श्रावक कभी भी भगवान महावीर स्वामी के पास नहीं गए, न प्रवचन सुना और न ही नवकार मंत्र सीखा, लेकिन उन्होंने अपने जीवन में थोड़ा समय निकालकर प्रभु के पास आए और मोक्षगामी हो गए। इसका कारण यह था कि वे हलुकर्मी एवं मोक्षगामी जीव थे।

उन्होंने कहा कि जिंदगी में सच्चा गुरु ही वह होता है, जो अपने जीवन को सुधार सकता है। अंत में उन्होंने कहा कि मैं आत्मा तो नहीं बनूं, परमात्मा न बनूं, पर एक अच्छा श्रावक जरूर बनूंयही उमंग और भावना हमारे जीवन में होनी चाहिए।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि आयंबिल एवं एकासना की लड़ी निरंतर चल रही है। आज आयंबिल का लाभ श्रीमती नंदाजी कोठारी तथा एकासना का लाभ श्रीमती लाडूबाई लूणिया द्वारा लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रवचन के पश्चात नवकार महामंत्र जाप निरंतर जारी है। आज के जाप का लाभ श्रीमान मानकचंदजी, अशोकजी, राहुलजी, रुदेवजी सिंघवी परिवार की ओर से लिया गया।

पारस डोसी ने बताया कि रविवार को प्रवचन के पश्चात गौतमप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इसका लाभ श्रीमान चांदमलजी, विमलकुमारजी एवं संदीपकुमारजी सांखला परिवार, मलकपेट ने लिया है।रविवार को धार्मिक प्रतियोगिता के अंतर्गत मेमोरी गेम का आयोजन तेजस्वी बहू मंडल, मलकपेट द्वारा किया जाएगा। प्रतियोगिता के पुरस्कारों के लाभार्थी श्रीमान कुशलराजजी, राहुलजी, राजेशजी एवं सम्यकजी पोकरणा परिवार रहेंगे। इसके साथ ही दोपहर 3 से 4 बजे तक बच्चों के लिए शिविर का आयोजन भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आगामी रविवार, 16 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के पावन प्रसंग पर श्री जैन महिला मंडल, मलकपेट द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के पावन सान्निध्य में जयपुर में 6 सितंबर को होगा नंदोत्सव

जयपुर, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, सिद्धेश्वर सनातन संसार एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति (जयपुर केंद्र) के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में ङ्नंदोत्सव 2026फ का भव्य आयोजन 6 सितंबर 2026, रविवार को किया जाएगा।

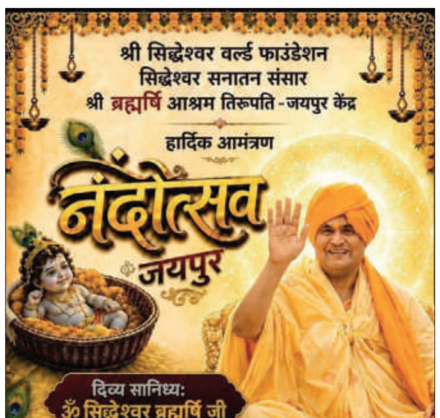

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि यह आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन श्री ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के दिव्य सान्निध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 4 बजे से राजधानी के बिलवा पैलेस, टोंक रोड, चौखी ढाणी के पास, जयपुर में होगा।

डॉ. चौधरी ने बताया कि नंदोत्सव के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से संबंधित भव्य झांकियां, भजन–कीर्तन, आध्यात्मिक प्रवचन तथा सनातन संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण है।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश हेतु पूर्व पंजीयन की व्यवस्था की गई है। इसके लिए आयोजकों की ओर से ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

श्री सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने जयपुर एवं आसपास के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में आयोजन में उपस्थित होकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के इस भव्य आयोजन का पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

उन्होंने बताया कि नंदोत्सव की तैयारियों और आयोजन से पूर्व आश्रम की प्रथम उपासिका श्रीमती सरला बोथरा 9 अगस्त को सभी गुरु भक्तों को संबोधित करेंगी। इस अवसर पर आयोजन की तैयारियों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया जाएगा।

श्री शिव महापुराण कथा की तैयारियों को लेकर आज होगी बैठक

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में आगामी श्रावण मास के पावन अवसर पर श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन रविवार, 16 अगस्त से सोमवार, 24 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक साई बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुड़ा चौराहा, अतापुर में किया जाएगा। कथा की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए रविवार, 9 अगस्त को सुबह 11 बजे कथा स्थल साई बाबा मंदिर, अतापुर में एक बैठक का आयोजन किया जाएगा।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वृंदावन निवासी बाल विदुषी सुश्री लक्ष्मीजी अपनी अमृतमयी वाणी से श्रद्धालुओं को श्री शिव महापुराण कथा का रसपान कराएंगी।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि श्री शिव महापुराण कथा के मुख्य यजमान श्री अंजनी कुमार अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना (डीआरएस), तथा सह–मुख्य यजमान श्री अंजनी कुमार सरावगी रहेंगे। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने दोनों का शाल एवं मोतियों की माला से सम्मान किया। उन्होंने बताया कि श्री शिव महापुराण कथा के लिए दैनिक यजमान के रूप में श्री मनीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना, श्री कृष्ण कुमार सौंथलिया, श्री मुकेश कुमार लोया, श्री बृजगोपाल असावा, श्री कमल किशोर कांकाणी, श्री जमनालाल मनोहरलाल कांकाणी, श्री वेणुगोपाल तोतला तथा श्री अशोक कुमार हीरावत जैन ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

सोमाणी ने बताया कि समाज के अन्य बंधुओं से भी दैनिक यजमान बनने के लिए संपर्क किया गया है और सभी ने अपना सहयोग एवं आश्वासन दिया है।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि श्री शिव महापुराण कथा के शुभारंभ अवसर पर रविवार, 16 अगस्त को सुबह 11 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा विट्ठल मंदिर, शिवाजी नगर, अतापुर से प्रारंभ होकर कथा स्थल साई बाबा मंदिर, अतापुर पहुंचेगी। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे से श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ होगा।

उन्होंने बताया कि सावन मास के पावन अवसर पर आयोजित इस कलश यात्रा में जो माताएं एवं बहनें सम्मिलित होना चाहती हैं, वे 13 अगस्त तक समिति अध्यक्ष के पास अपना नाम पंजीकृत कराएं, ताकि कलश यात्रा की आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जा सकें।

श्री शिव महापुराण कथा को भव्य एवं सफल बनाने के उद्देश्य से रविवार, 9 अगस्त को सुबह 11 बजे कथा स्थल साई बाबा मंदिर, अतापुर में बैठक आयोजित की जाएगी। समिति अध्यक्ष ने सभी धार्मिक बंधुओं से बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव देने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया है।

उन्होंने बताया कि बैठक में कथा से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

मंचेरियाल में रसोई के साथ अस्पताल की अन्य समस्याओं का भी हो समाधान

मंचेरियाल, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल के नव निर्मित सरकारी सामान्य अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसकी प्रमुख वजह अस्पताल परिसर में बनाई जा रही विशाल रसोई को बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, अस्पताल परिसर में स्थित पुराने मेडिकल कॉलेज कार्यालय को किसी ट्रस्ट को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। इसी के तहत प्रतिदिन सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के करीब 50 हजार विद्यार्थियों के लिए मुफ्त नाश्ता एवं दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अस्पताल परिसर में विशाल रसोई स्थापित की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में रसोई स्थापित किए जाने से मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मचारियों को परेशानी हो सकती है। उनका कहना है कि रसोई को अस्पताल के आसपास स्थापित करने के बजाय किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर बनाया जाना चाहिए, ताकि अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं पर इसका प्रतिकूल असर न पड़े। जानकारी के अनुसार, अस्पताल के पर्यवेक्षकों ने उच्च अधिकारियों से अपील की है कि नए भवन का उपयोग उन विभागों के लिए किया जाए, जिन्हें वर्तमान में पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं है। अस्पताल में प्रयोगशालाओं, भंडारगृहों और शव परीक्षण से संबंधित चिकित्सकों के लिए भी कमरों की आवश्यकता है। इसी कारण सुझाव दिया गया है कि अस्पताल परिसर में मौजूद शेड इन विभागों को आवंटित किए जाएं, जिससे अस्पताल की आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया जा सके।

वहीं, गोदावरी नदी के किनारे स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र बरसात के मौसम में खतरे का सबब बना हुआ है। इसी वजह से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र को यहां से स्थानांतरित किए जाने की मांग की जा रही है। दूसरी ओर, जर्जर जीआईपी भवन भी चिंता का विषय बना हुआ है।

एक जनप्रतिनिधि ने अस्पताल प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि शेड को ट्रस्ट को सौंपे जाने के मामले में कोई भी आवाज नहीं उठाए। साथ ही उक्त जनप्रतिनिधि पर आरोप है कि नए भवन के तैयार होने के बावजूद शव परीक्षण की सुविधा पुराने अस्पताल भवन में ही जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा गोदावरी नदी के किनारे स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र को स्थानांतरित करने तथा नए भवन को ट्रस्ट को सौंपने के संबंध में दिए गए सुझावों पर भी ध्यान नहीं दिए जाने की बात सामने आई है। इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली की आलोचना तेज हो रही है।अस्पताल प्रशासन से मांग की गई है कि मरीजों की सुविधाओं और अस्पताल की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए शेड के आवंटन पर पुनर्विचार किया जाए। हालांकि पूर्ण आदेश प्राप्त नहीं होने के बावजूद शेड ट्रस्ट को सौंप दिया गया है और संबंधित ट्रस्ट ने वहां अपना काम भी शुरू कर दिया है। इसे लेकर अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।स्थानीय लोगों और अस्पताल से जुड़े लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में उपलब्ध भवनों और शेड का उपयोग सबसे पहले मरीजों की चिकित्सा सुविधाओं तथा अस्पताल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाना चाहिए।

मंचेरियल में माफिया राज का आरोप, ईडी और एसीबी जांच की मांग

मंचेरियाल, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल में कथित रूप से ङ्माफिया राजफ चलने का आरोप लगाते हुए बीआरएस नेताओं ने विधायक प्रेम सागर राव की संपत्तियों और उनसे जुड़ी कंपनियों के वित्तीय लेनदेन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और विजिलेंस विभाग से गहन जांच कराने की मांग की है।

बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि विधायक प्रेम सागर राव ने 470 करोड़ रुपये का ऋण लिया और कथित तौर पर एक सप्ताह के भीतर 190 करोड़ रुपये का भुगतान किया। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी राशि इतने कम समय में कहां से आई और इस पूरे मामले की जांच क्यों नहीं की जा रही है। नेताओं ने संबंधित एजेंसियों से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि आईटी पार्क के नाम पर गरीबों की जमीनें ली जा रही हैं। वहीं क्षेत्र में कथित रूप से रियल एस्टेट कारोबार, अवैध रेत खनन और मिट्टी परिवहन का धंधा चल रहा है। उन्होंने गरीबों के मकानों को कथित रूप से अन्यायपूर्ण तरीके से गिराए जाने का भी आरोप लगाया।

नेताओं ने कहा कि जिले में तालाबों पर कथित अतिक्रमण हो रहा है, लेकिन जिला प्रशासन, पुलिस, विजिलेंस, खनन और राजस्व विभाग इस मामले में प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इन सभी मामलों की गहन जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की।

बीआरएस नेताओं ने विधायक से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) में बदल चुकी कंपनियों को कथित तौर पर बड़ी रकम का ऋण कैसे मिला और करीब 10 लाख रुपये मूल्य की बताई जा रही एक कंपनी को 140 करोड़ रुपये का ऋण कैसे दिया गया, इसकी जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आम लोगों को बैंक से ऋण लेने के लिए सिबिल स्कोर, संपत्ति, गारंटी और अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने पड़ते हैं। ऐसे में इतनी बड़ी रकम के ऋण और उसके भुगतान से जुड़े मामलों की भी निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच की जानी चाहिए।

बीआरएस नेताओं ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत भी मामले की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को पूरे वित्तीय लेनदेन की गहराई से पड़ताल करनी चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कथित तौर पर इतनी बड़ी रकम का स्रोत क्या था और उसका उपयोग किस प्रकार किया गया।

बीआरएस नेताओं ने तेलंगाना सरकार पर भी निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के शासन में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोप लगाए। उन्होंने मुख्यमंत्री के परिजनों और अन्य नेताओं की कथित संपत्ति वृद्धि पर भी सवाल उठाए।

बीआरएस नेताओं ने कहा कि विधायक प्रेम सागर राव से जुड़े सभी आरोपों की जांच स्वतंत्र एजेंसियों के माध्यम से कराई जानी चाहिए, ताकि वास्तविकता सामने आ सके। उन्होंने सरकार और संबंधित विभागों से पूरे मामले में पारदर्शी जांच कराने की मांग की।

शिवलिंग को यदि घर पर रखे तो ना करे ये कार्य

अगर आप भी शिवलिंग की पूजा करते है तो इन बातो का खास ध्यान रखे क्योंकि अगर महादेव भोले है तो उनका क्रोध भी किसी से छुपा नही है क्योंकि त्रिदेवो में वो विनाशक भी हैं द्य शिवलिंग की पूजा अगर सही नियम से किया जाये तो वो आपके लिए लाभकारी सिद्ध होता है अन्यथा कुछ त्रुटियां विनाशकारी भी हो सकती है।

हम आपको वही क्रुटिया गिनाने जा रहे है जो कही न कही आप शिव की पूजा करते समय कर बैठते है। शिवलिंग को कभी भी ऐसे स्थान पर न रखे जहा आप उसे पूज न रहे हो द्य हिन्दू मान्यताओं के अनुसार कभी भी शिवलिंग को घर पर न रखे अगर आप उसे पुरे विधि विधान से उसकी पूजा न कर रहे हो, क्योंकि अगर आप ऐसा करने वालो में से है तो सावधान हो जाये क्योंकि इससे आप शिवलिंग का अपमान कर रहे है और कुछ अनर्थकारी चीजों को आमंत्रित कर रहे है।

एक किस्सा आप सब ने सुना ही होगा, एक बार की बात है जब भगवान् विष्णु और ब्रहमा के बीच कौन सब से सर्वश्रेष्ठ होने की होड मची और जब ये बहस युद्ध का रूप लेने लगी तो महादेव ज्योतिर्लिंग क रूप में प्रगट हुए और कहा जो भी इसके छोर तक पहले पहुचेगा वो सर्वश्रेष्ठ कहलायेगा द्य विष्णु नीचे की तरफ गये और ब्रहमा ऊपर की तरफ लेकिन विष्णु ने स्वीकार कर लिया की वो इसका छोर नहीं पा सक और ब्रहमदेव ने कुछ और ही कहानी रची उन्होंने केतकी के फूलो से झूठी गवाही देने को कही की ब्रहमदेव छोर पा गये है जब ये बात पूछी जाये महादेव के सामने द्य ब्रहमदेव ने बिलकुल वैसा ही किया वो लौटे और उन्होंने केतकी के फूलो को साक्ष्य बनाते हुए महादेव से कहा की वो छोर तक पहुच गये है। महादेव ने इस झूठ पर क्रोधित होकर ब्रहमा का एक सर काट दिया और साथ ही केतकी के फूलो पर भी पूजा अर्चना में इस्तेमाल होने पर प्रतिबन्ध लगा दिया शिवपुराण के अनुसार जालंधर की एक कहानी है जिसे वरदान था की उसे तब तक कोई नहीं हरा सकता जब तक उसकी पत्नी वृंदा पतिव्रता रहेगी और इसी के चलते भगवान् विष्णु ने उसका पतिव्रता संकल्प भंग किया और महादेव ने जालन्धर का विनाश लेकिन वृंदा जो बाद में तुलसी में परिवर्तित हो चुकी थी उसने अपने पत्तियों का उपयोग महादेव की पूजा में इस्तेमाल होने पर रोक लगा दी इसलिए शिवलिंग पर तुलसी कभी भी अर्पित न करे हल्दी एक स्त्री की सुन्दरता निखारने के लिए इस्तेमाल होती है और शिवलिंग महादेव का प्रतीक है। इसलिए हल्दी का उपयोग शिवलिंग पर ना करे हिन्दू मान्यताओ के अनुसार सिन्दूर या कुमकुम का उपयोग एक महिला अपने पति की लम्बी आयु के लिए करती है और महादेव त्रिदेवो में विध्वंसक की भूमिका निभाते है यानी की संघार तो शिवलिंग पर सिन्दूर अर्पित करना शुभ नहीं माना जाता शिवलिंग का स्थान बदलते समय उसके चरणों को स्पर्श करे और एक बर्तन में साफ पानी गंगाजल से मिक्स हुआ हो उसमे शिवलिंग को रखे और अगर शिवलिंग पत्थर से बना हुआ है तो उसका गंगाजल से अभिषेक करे शिवलिंग पर जब भी दूध से अभिषेक करे तो ध्यान रखे की पैक दूध न चढाए, दूध ठंडा और साफ होना चाहिए । शिवलिंग को घर लाते समय ध्यान रखे की मूर्ति में नाग लिपटा हो और शिवलिंग सोने, चांदी, या ताम्बे का हो। शिवलिंग को घर पर रखे तो कोशिश करे की उस जलधारा बरकरार रहे अन्यथा वो नकारत्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है।

शिवलिंग के समीप गौरी और गणेश की मूर्ति जरूर होनी चाहिए अकेले न रखे शिवलिंग को।

राशि अनुसार ये उपाय करें आपके घर में धन संबंधी कार्यों में आ रही बाधाएं होंगी दूर

अक्सर देखा जाता है कि व्यक्ति के पास सब होते हुए भी वो सुखी नही रहता ये सब गृह दशा का प्रभाव होता है जो आपके जीवन में उतार चढाव लाते है द्य यदि आपकी कुंडली में कोई ग्रह दोष हो और उसकी वजह से कार्यों में असफलता मिल रही हो तो राशि अनुसार उपाय किए जा सकते हैं। इन उपायों से धन संबंधी कार्यों में आ रही बाधाएं और घर-परिवार के कई दोष दूर हो सकते हैं। तो आइये जानते है कि किस राशि के लिए है क्या उपाय -

मेष राशि-घर की दक्षिण दिशा में गुड की डली छोडकर प्रस्थान करें। इससे कार्य में प्रगति होगी तथा यात्रा में सफलता मिलेगी। जब भी किसी महत्वपूर्ण काम के लिए घर से बाहर निकल रहे हैं, तब यह उपाय करें। राशि स्वामी मंगल के लिए हर मंगलवार को शिवलिंग पर लाल पुष्प और मसूर की दाल चढाएं। हर मंगलवार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वृष राशि-नियमित रूप से कच्चे चावल सफेद गाय को खिलाने से धन लाभ हो सकता है। किसी भी शुक्रवार से ये उपाय प्रारंभ करें। शुक्रवार के बाद हर रोज ये उपाय अपने घर के बाहर ही करते रहें। चावल की मात्रा अपनी हथेली के अनुसार रखें। राशि स्वामी शुक्र के लिए शिवलिंग पर कच्चा दूध और चावल अर्पित करें। इससे धन संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मिथुन राशि-हर बुधवार खडे मूंग का दान करें। किसी सुहागिन को सुहाग का सामान दान करें। सफेद गाय को हरी घास खिलाएं। इन उपायों से घर के सभी दोष दूर होते हैं। घर में वायव्य कोण (घर की पश्चिम-उत्तर दिशा) में पैसा रखेंगे तो शुभ होगा। राशि स्वामी बुध की प्रसन्नता के लिए श्रीगणेश को दूर्वा अर्पित करें। समय-समय पर किसी किन्नर को धन का दान करें।

कर्क राशि-हर रोज घर की पश्चिम दिशा में कबूतरों को ज्वार के दाने चुगाएं। ऐसा करने पर घर के सभी दोष शांत हो जाते हैं। घर का वातावरण पवित्र और सकारात्मक बनता है। परिवार में शांति बनी रहती है। राशि स्वामी चंद्र के लिए शिवलिंग पर दूध और जल अर्पित करें। हर हिन्दी माह में दो चतुर्थियां आती हैं, इन दोनों तिथियों पर चंद्र का पूजन करें।

सिंह राशि-रोज रात को तांबे के लोटे में जल भरें और सुबह जल्दी उठकर अपने घर की पूर्व दिशा में इस जल का छिडकाव करें। ऐसा करने से घर-परिवार में शुभ समाचार प्राप्त होतेहैं। घर में बुजुर्गों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है। राशि स्वामी सूर्य की कृपा पाने के लिए हर रोज नित्य कर्मों से निवृत्त होकर सूर्य को जल अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे का उपयोग करें।

कन्या राशि-अपने घर की उत्तर दिशा में गायों को हरी घास खिलाएं। यदि संभव हो सके तो हर बुधवार किसी भिक्षुक को खडा मूंग और गुड का दान करें। यह करने से घर में लक्ष्मी का वास होगा। धन का अपव्यय रुकेगा। साथ ही, रुका धन प्राप्त होगा। राशि स्वामी बुध के लिए श्रीगणेश को दूर्वा अर्पित करें और मोदक का भोग लगाएं। हरे रंग का रुमाल अपने साथ रखें।

तुला राशि-किसी भी शुक्रवार को सुबह के समय घर के वायव्य कोण (पश्चिम-उत्तर दिशा) में सफेद कपडे में चावल बांधकर लटका दें। समय-समय पर ये चावल बदलते रहें। ऐसा करने से मांगलिक कार्य में गति आएगी तथा वैवाहिक कार्य में सफलता मिलेगी। राशि स्वामी शुक्र के लिए शिवजी को चावल और दूध अर्पित करें। शुक्रवार को किसी गरीब बच्चे को दूध का दान करें।

वृश्चिक राशि-अपने घर के दक्षिण-पूर्व कोने में जौ को लाल कपडे में बांधकर रखें। ऐसा करने से बुरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं करेंगी। घर का वातावरण शुभ और पवित्र बना रहेगा। परिवार के सदस्यों की सोच सकारात्मक होगी तो कार्यों में भी

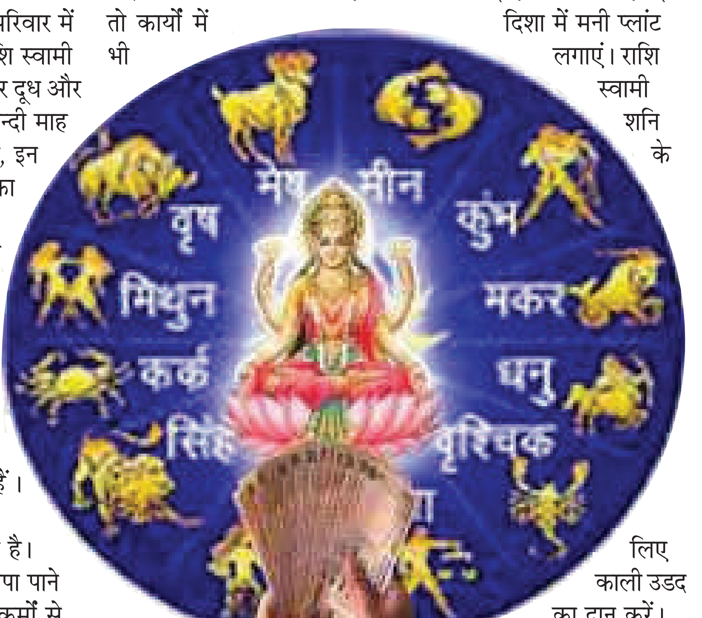

सफलता मिलेगी। बच्चों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होंगे। राशि स्वामी मंगल के लिए मसूर की दाल और लाल कपडे का दान करें।

धनु राशि-आपके लिए घर का ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) पूजन कर्म के लिए श्रेष्ठ है। यहां पर भगवान विष्णु की शत् नामावली या सहस्त्र नामावली का पाठ करें। ऐसा करने से रोग, घर के दोष और नकारात्मकता दूर होगी। घर में प्रगति का माहौल बनेगा। राशि स्वामी गुरु के लिए शिवलिंग पर चने की दाल अर्पित करें। पीले रंग का रुमाल अपने साथ रखें।

मकर राशि-घर की पश्चिम दिशा में तुलसी का पौधा लगाएं। हर रोज इस पौधे में जल अर्पित करें। उचित देखभाल करें। ऐसा करने से रुके हुए कार्यों में प्रगति होगी। मांगलिक कार्य के साथ आर्थिक लाभ के योग बनेंगे। राशि स्वामी शनि के लिए हर शनिवार तेल का दान करें। शनि देव को नीले रंग के पुष्प अर्पित करें। काले कंबल का दान करें।

कुंभ राशि-घर की पश्चिम-उत्तर दिशा को हमेशा स्वच्छ रखें। इस स्थान पर उपयोगी कागजात को ही स्थान दें। यदि कागजात काफी अधिक हैं तो किसी अन्य स्थान पर इन्हें रख सकते हैं। इस दिशा में मनी प्लांट लगाएं। राशि स्वामी शनि के लिए काली उडद का दान करें। हनुमानजी को सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करें। शनि को तेल से बने व्यंजन का भोग लगाएं। मीन राशि-घर की पूर्वोत्तर (पूर्व-उत्तर) दिशा में देवी-देवताओं के मंदिर बनवाएं। प्रयास करें कि घर में मंदिर, रसोई घर साथ-साथ न हो। यदि रसोई घर में ही मंदिर हो तो मंदिर और गैस चूल्हा एक सीध में न हो। विशेष तौर पर लक्ष्मीनारायण की उपासना आपको भूमि-भवन का लाभ देगी। राशि स्वामी गुरु के लिए हल्दी की गांठ का दान करें। शिवजी को बेसन से बने लड्डू का भोग लगाएं।

श्रापित हैं शनि, इन्हें शांत करने के लिए कोई भी व्यक्ति निम्न उपाय कर सकता है

पुराण के मतानुसार शनिदेव सूर्य के पुत्र हैं, जो उनकी छाया नामक पत्नी से उत्पन्न हुए हैं। पिता की आज्ञा से शनिदेव ग्रह बने तथा अपनी पत्नी के श्राप की वजह से उन्हेंूर रूप प्राप्त हुआ। कहा जाता है कि शनि की पत्नी चित्ररथ गंधर्व की कन्या थी, जो उग्र स्वभाव की थी। एक बार शनिदेव भजन में लिप्त थे। वह ऋतु-स्नान व श्रृंगार कर रमण करने के उदेश्य से वहाँ आयी, परंतु शनि ने उनकी तरफ ध्यान नहीं दिया। इससे क्रोध में आकर उनकी पत्नी ने उन्हें श्राप दे दिया कि तुम्हारी दृष्टि जहाँ पर भी पडेगी, वहाँ विनाश ही विनाश हो जाएगा। ऐसा भी कहा जाता है कि गणेश जी का सिर कटने की वजह शनि ग्रह की उन पर पडने वाली दृष्टि ही थी। शनि का वर्ण काला है।

इनका वाहन गिद्ध तथा भैंसा हैं तथा इस ग्रह के पीछे अधिष्ठित देवता भैरव हैं। एक कथा के अनुसार शनि के द्वारा रोहिणी नक्षत्र का भेदन अच्छा नहीं होता है, क्योंकि राजा दशरथ प्रजा की रक्षा करने के लिए शनि देव को रोहिणी नक्षत्र का भेदन करने से रोकने के लिए उनसे युद्ध करने गये। जिससे प्रसन्न होकर शनिदेव ने उन्हें वर मांगने को कहा था, तब राजा दशरथ ने उनसे रोहिणी-भेदन न करने का वर मांगा, जिसे शनिदेव ने स्वीकार कर लिया तथा उन्होंने रोहिणी-भेदन नहीं किया। शनिदेव बचपन से ही क्रोधी स्वभाव के थे। एक बार उन्होंने अपनी माँ छाया को तुरंत भोजन देने के लिए कहा, परन्तु माता के यह कहने पर कि भोजन भोग लगाने के पर्श्चात् दूंगी, शनिदेव ने अपना एक पांव उठाकर मां पर प्रहार करना चाहा, जिससे क्रोध में आकर उनकी माता ने उन्हें श्राप दिया कि उनका पांव इसी समय टूट जाये तथा वे लंगडे हो जायें। तभी से शनिदेव लंगडे हो गये। नवग्रहों में शनि ग्रह अपना एक अलग ही महत्व रखता है। शनि ग्रह को ूर तथा तामसिक ग्रह भी कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मकर तथा कुंभ राशि पर शनि ग्रह का स्वामित्व होता है। शनि ग्रह तुला राशि में उच्च तथा मेष राशि में नीच होता है। शुक्र ग्रह को शनि का सबसे घनिष्ठ मित्र तथा सूर्य को सबसे बडा शत्रु कहा गया है। शनिदेव एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने में लगभग ढाई वर्ष का समय लेते हैं। शनि ग्रह की गणना पाप ग्रहों में की जाती है। इनके विषय में यह भी कहा जाता है कि अगर ये विपरीत चल दें तो सम्राट को भी भिखारी बना सकते हैं। शनि ग्रह के पास तीसरी, सातवीं तथा दसवीं पूर्ण दृष्टियाँ भी हैं।

शनि ग्रह के बुध, शुक्र, राहु मित्र हैं तथा सूर्य, चंद्र, मंगल शत्रु तथा गुरु व केतु सम हैं। शनि ग्रह की महादशा 19 वर्ष की होती है। लग्न राशि या चंद्र राशि से बारहवें स्थान पर शनिदेव के आने पर साढेसाती का प्रारंभ माना जाता है तथा द्वितीय स्थान से निकल जाने को शनि की साढेसाती का अंत माना जाता है। इसके अतिरिक्त लग्न राशि या चंद्र राशि से चौथे या आठवें स्थान पर शनिदेव के भ्रमण को ढैंया कहकर पुकारा जाता है। शनिकृत पीडा को शांत करने के लिए कोई भी व्यक्ति निम्न उपाय कर सकता है।

सरसों के तेल का दान, उडद या बादाम का दान। बजरंग बाण का पाठ। भैरव चालीसा का पाठ। स्नान से पहले तेल मालिश। शनिवार को मंदिर में बताशे चढाना। लोहे का कडा धारण करना। शनिवार को एक नारियल मंदिर में चढाना।

वाहन तथा पहनने वाले जूतों को ठीक रखना भी शनि को अच्छा लगता है।

शिव के डमरू की आवाज से गणेशजी ने संपूर्ण वेदों का ज्ञान पाया

लंबोदर स्वरूप में किसी भी भलीबुरी बात को पेट में समाहित करने की सीख है। शिव के डमरू की आवाज से गणेशजी ने संपूर्ण वेदों का ज्ञान पाया। माता पार्वती जी की पाजेब की आवाज से संगीत का, शंकरजी के तांडव नृत्य से नृत्य विद्या अध्ययन किया। इस तरह विविध ज्ञान को समाहित करने के लिए बडे पेट की आवश्यकता थी तो गणेशजी लंबोदर कहलाए। उनका यह स्वरूप हमें सीख देता है कि हमें अधिक से अधिक चीजें सीखने का प्रयास करना चाहिए। बहुत छोटी सी सीख ही क्यों न मिले उसे सही तरीके से ग्रहण करना चाहिए और उसे अपने भीतर समाहित कर लेना चाहिए। मनुष्य दो तरह के होते हैं- एक वे जो सभी तरह की चीजों को सीखने की चाह रखते हैं और दूसरे वे जो चीजों को सीखने में ज्यादा रुचि नहीं लेते हैं। गणेशजी का यह स्वरूप प्रेरणा देता है कि हमें ज्यादा चीजों को सीखने के लिए प्रयास करना चाहिए।

शहीदों के सरताज, सच्चे पातशाह गुरु श्री अर्जुन देव जी

सिखों के पांचवें गुरु गुरु अर्जुन देव का प्रकाश श्री गुरु रामदास जी तथा माता भानी जी के यहां वैशाख बदी 7, संवत 1620 मुताबिक 15 अप्रैल 1563 ई को गोइंदवाल साहिब में हुआ। आपका पालनपोषण गुरु अमरदास तथा बाबा बुड्ढा की देखरेख में हुआ। मानव-कल्याण के लिए आजीवन शुभ कार्य करने वाले गुरु अर्जुन देव सिखों के पांचवें गुरु हैं। कल्पना कीजिए, उस मंजर की जब मुगल बादशाह जहांगीर गर्म था, लाहौर शहर का वजीर गर्म था, चंदू व्यवसायी गर्म था, जेठ का महीना गर्म था, लोहे का तवा गर्म था, जल रही चूल्हे की आग गर्म थी, शरीर पर डाली जा रही रेत भी गर्म थी। केवल गुरु श्री अजरुन देव, इन सब की परवाह न करते हुए बिल्कुल ठंडे थे। तनिक भी विचलित नहीं हुए थे। किंचित मात्र क्रोध नहीं आया था इन जल्लादों पर। 'वाहेगुरु' के सिमरन (सुमिरन) में वह पूरी तरह लीन थे। शांति के पुंज, शहीदों के सरताज गुरु अजरुन देव की शहादत अतुलनीय है।

हर विचारवान व्यक्ति के मन में यह प्रश्न कौंध जाता है कि गुरु देव ने ऐसा कौन-सा 'अपराध' किया कि उन्हें इस तरह यासा व सियासत कानून के तहत शहीद कर दिया गया। अकबर के देहांत के बाद जहांगीर दिल्ली का शासक बना। वह कट्टरपंथी था। अपने धर्म के अलावा उसे और कोई धर्म पसंद नहीं था। गुरु जी के धार्मिक व सामाजिक कार्य भी उसे बुरे लगते थे। इसी दौरान जहांगीर का पुत्र खुसरो बगावत करके आगरा से पंजाब की ओर आ गया। जहांगीर को सूचना मिली कि गुरु जी ने खुसरो की मदद की है। इसलिए उसने उन्हें गिरफ्तार करने के आदेश दिया। स्वयं जहांगीर भी गुरु जी के सिख धर्म के प्रचार-प्रसार से डर गया था। जहांगीर के आदेश पर उनकों गिरफ्तार कर लाहौर लाया गया तथा मृत्युदंड सुनाने का फरमान दे दिया गया। इसके साथ ही अमानवीय यातनाओं का अंतहीन दौर चल पडा। लाहौर के बजीर ने गुरु जी को एक रुढिवादी व्यवसायी चंदू को सुपुर्द कर दिया। कहा जाता है कि चंदू ने गुरुजी को तीन दिन तक ऐसी-ऐसी यातनाएं दीं, जो न तो शब्दों में बयां की जा सकती हैं, न ही वैसी कोई मिसाल इतिहास में ढूंढे मिलेगी। ऐसी दर्दनाक अवस्था में ही गुरुजी को लोहे की जंजीरों में बांधकर 30 मई सन् 1606 ईस्वी में रावी नदी में फेंकवा दिया गया। शांतिपूर्वक अपने धर्म के प्रचार -प्रसार के उनके इस प्रयास को आनेवाले समय में बदलने की आवश्यकता का बीजा रोपण उसी दिन हो गया।

जब भगवान राम ने दिया था हनुमान को मृत्युदंड

हिन्दू घर्म के महान ग्रन्थ रामायण मे सब जानते है भगवान राम के सबसे बडे भक्त हनुमान जी थे, परन्तु फिर ऐसा क्या हुआ की भगवान राम ने हनुमान जी को मृत्यु दंड दिया और जब हनुमान जी मत्यु को प्राप्त नहीं हुए तो उन पर ब्रहमास्त्र चलाया, आइये जानते है क्या हुआ था की भगवान राम को उनके सबसे प्रिय भक्त को मृत्युदंड देना पडा।

श्री राम जब अयोध्या के राजा बने तो नारद मुनि ने हनुमान जी से ऋषि विश्वामित्र के सिवाय सभी साधुओं और ऋषियों से मिलने को कहा क्योंकि विश्वामित्र कभी महान राजा हुआ करते थे। हनुमान ने इसका पालन किया लेकिन इससे विश्वामित्र को कोई फर्क नहीं पडा।

तब कपट से नारद मुनि विश्वामित्र के पास गए और उन्हें हनुमान के खिलाफ भडकाया। इसके बाद विश्वामित्र हनुमान पर बेहद गुस्सा हो गए और उन्होंने भगवान श्रीराम से हनुमान जी को मौत की सजा देने के लिए कहा। राम अपने गुरु विश्वामित्र की बात टाल नहीं सकते थे इसी कारण उन्होंने हनुमान जी को मृत्युदंड दियाज मृत्युदंड देने के बाद भगवान राम ने हनुमान जी पर बाण चलाए लेकिन हनुमान राम का नाम जपते रहे और उनको कुछ नहीं हुआ। भगवान श्री राम को अपने गुरु विश्वामित्र की आज्ञा का पालन करना ही था इसलिए श्रीराम ने हनुमान पर बह्रमास्त्र चलाया। आश्चर्यजनक रूप से राम नाम का जप कर रहे हनुमान जी का ब्रह्मास्त्र भी कुछ नहीं बिगाड पाया। यह सब देखकर नारद मुनि विश्वामित्र के पास गए और अपनी भूल स्वीकार की।

ऐसा कहा जाता है की एक बार जब हनुमान जी ने माता सीता को मांग मैं सिंदूर लगाते हुए देखा तो हनुमान जी ने इसका कारण पूछा। तब सीता मां ने उन्हें बताया कि इससे भगवान राम की आयु बढेगी। जब हनुमान ने यह सुना तो उन्होंने सोचा कि जब मांग में सिंदूर भरने से भगवान राम की आयु बढती है तो क्यों न पूरे शरीर में ही सिंदूर लगा लिया जाए। और तब से हनुमान जी पुरे शरीर पर सिंदूर लगाते है और व्ही प्रथा चली आ रही है और आज भी हनुमान जी की मूर्ति को सिंदूर लगाया जाता है। श्री राम का अपने भक्त हनुमान से युद्ध भी हुआ था। भगवान राम के गुरु विश्वामित्र के निर्देशानुसार भगवान राम को राजा ययाति को मारना था।

राजा ययाति ने हनुमान से शरण मांगी। हनुमान ने राजा ययाति को वचन दे दिया। हनुमान ने किसी तरह के अस्त्र-शस्त्र से लडने के बजाए भगवान राम का नाम जपना शुरू कर दिया। राम ने जितने भी बाण चलाए सब बेअसर रहे। विश्वामित्र हनुमान की श्रद्धाभक्ति देखकर हैरान रह गए और भगवान राम को इस धर्मसंकट से मुक्ति दिलाई।

अहंकार मानव स्वभाव का एक हानिकारक गुण हैं

एक मूर्तिकार था। वह ऐसी मूर्तियां बनाता था, जो सजीव लगती थीं। लेकिन मूर्तिकार को अपनी इस कला पर अहंकार था। जब उसे लगने लगा कि उसकी मृत्यु आने वाली है तब उसने यमदूतों को भ्रम में डालने के लिए स्वयं की सजीव मूर्तियां बनाईं। उसने अपने जैसी करीब 10 मूर्तियां बनाईं और उन मूर्तियों के बीच में जाकर बैठ गया। जब यमदूत आए तो उन्हें 11 मूर्तियां दिखाईं दीं। वह एक जैसी 11 मूर्तियां देखकर हैरान थे। वह एक विषम परिस्थिति में फंस गए। वो यह कि यदि मूर्ति तोडते हैं तो कलाकार के सम्मान को ठेस पहुंचेगी और यदि मूर्तिकार को यमलोक नहीं ले जाएंगे तो प्रकृति का नियम टूटा जाएगा।

तब एक यमदूत को मानव स्वभाव के एक गुण अहंकार के बारे में ध्यना आया। उसने कहा, इन 11 मूर्तियों में से एक मूर्ति में एक त्रुटि है। जैसे ही यमदूत ने यह वाक्य कहे, मूर्तिकार तुरंत बोल उठा, कौन सी मूर्ति में कैसी गलती। फिर क्या था यमदूत उस मूर्तिकार को तुरंत यमलोक ले गए। उन्होंने कहा, अहंकारवश यही गलती तो की है तुमने कि तुम बोल उठे। संक्षेप में अहंकार मानव स्वभाव का एक हानिकारक गुण हैं। यह गुण जब स्वभाव में आ जाता है तो अपना ही नहीं औरों का भी नुकसान करवाता है।

कैसे काम करती है चुम्बकीय चिकित्सा

संतुलन ही स्वास्थ्य का मूलाधार है और रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है। शरीर में जमे अनावश्यक तत्वों को बाहर निकालने एवं शरीर के सभी अंगों को संतुलित कर शारीरिक क्रियाओं के नियंत्रित रखना जरूरी होता है। चुम्बकीय चिकित्सा इन सभी कार्यों को करने में प्रभावशाली होता है। शरीर में चुम्बकीय ऊर्जा का असंतुलन और कमी अनेक रोगों का मुख्य कारण होती है। यदि इस असंतुलन को दूर करके अन्य माध्यम से पुनः चुम्बकीय ऊर्जा उपलब्ध हो जाए तो रोग दूर हो सकते हैं। चुम्बकीय चिकित्सा का यहीं सिद्धान्त है।

हजारों सालों से प्राकृतिक और प्रभावी रूप से दर्द से राहत पाने के लिए चुंबकीय चिकित्सा का इस्तेमाल किया जा रहा है। चुम्बकीय चिकित्सा, शारीरिक दर्द को कम करने के साथ सर्कुलेशन को बढ़ाने, एलर्जी और हार्मोन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए भी इस्तेमाल की जा सकती है। काफी संख्या में चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, वैद्य, पशु चिकित्सक और खेल से जुड़े लोग इसका इस्तेमाल करते है।

चुम्बकीय चिकित्सा के लाभ

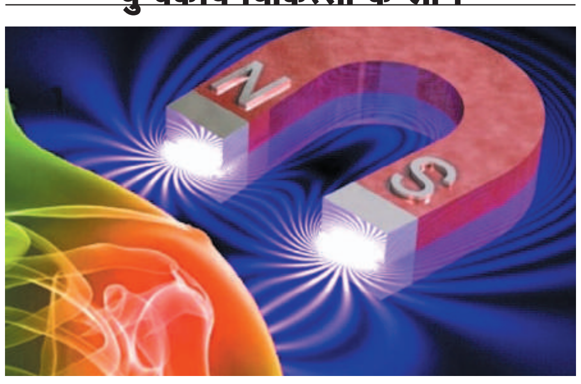

एक्यूपंचर, एक्यूप्रेशर जैसी चिकित्सा विभिन्न रोगों के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। चुम्बकों में भी रोगों के उपचार की क्षमता है। चुम्बकीय चिकित्सा के इस्तेमाल का इतिहास बहुत पुराना है। यूनानी लोग चुम्बक मस्तिष्क पर लगाकर सिरदर्द ठीक किया करते थे। मसल्स की सूजन कम करने के लिए उस पर चुम्बक रखा जाता था। आज भी चुम्बकीय चिकित्सा के गुणों के कारण इसका प्रयोग से जोड़ों के दर्द, अर्थराइटिस और बढ़ी हुई यूरिक एसिड का इलाज किया जाता है। आज भी लोग चुम्बकीय चिकित्सा से इलाज के लिए चुम्बकीय पेटी, चुम्बकीय जूते, चुम्बकीय ब्रेसलेट्स और नेकलेस का प्रयोग करते हैं, जिससे अदृश्य चुम्बकीय रेखाएं परोक्ष रूप से हमारे शरीर पर पॉजिटिव प्रभाव डालकर बिना ऑपरेशन दर्द और बीमारियां को ठीक कर देती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जिनिया के बायोमेडिकल इंजीनियर्स ने चूहों पर चुम्बकीय प्रयोग करके निष्कर्ष निकाले कि चोट लगने पर जो टिशु सूज जाते हैं। अगर उनपर चुम्बक रख दिया जाएं तो सूजन को कम किया जा सकता है। अधिक शक्ति वाले चुम्बकों का प्रयोग चोट को जल्दी ठीक करने में सक्षम होता है। इस प्रकार चुम्बकीय चिकित्सा हमें स्वस्थ रखने में मदद करती है।

इस तरह से चुंबकीय चिकित्सा एक जीवित शरीर पर लागू होता है। यह कई हजार वर्षों से प्रयोग में लाया जाता है। एक प्रोफेशनल चुंबकीय चिकित्सक एक विद्युत चुंबकीय क्षेत्र में स्पंदित उपकरण का उपयोग करते हैं। जब स्थैतिक चुंबकीय क्षेत्र की तुलना इससे की जाती है तो यह प्रौद्योगिकी शायद ही बेहतर परिणाम प्रदान करती है, यह थेरेपी दर्द के निवारण के लिए प्रभावी होती है और प्राकृतिक चिकित्सा की प्रक्रिया तेज हो जाती है। यह कई सारी परिस्थितियों के उपचार के लिए उपयुक्त होती है। हालांकि, चुंबकीय चिकित्सा सभी परिस्थितियों के लिए सहायता नही कर सकती है।

बेहद खतरनाक है क्रॉस लेग पोजीशन में बैठना

क्या आप भी बैठते वक्त अक्सर अपने पैरों को क्रॉस पोजीशन में रखते हैं। यदि हां, तो सावधान हो जाएं। ये आदत आपकी सेहत के लिये बेहद खतरनाक हो सकती है। अक्सर महिलाएं खासतौर पर सार्वजनिक स्थानों पर बैठने की इस मुद्रा का इस्तेमाल करना पसंद करती है। लेकिन ताजा अध्ययन के मुताबिक ये बेहद खतरनाक है। इस तरह बैठने से आपकी शारीरिक बनावट पर असर पड़ता है।

अनहेल्दी भी कर सकता है करेले का जूस

करेले का जूस भले ही शुगर के मरीजों के लिए हेल्दी हो, लेकिन लिवर व किडनी के रोगियों के लिए यह अनहेल्दी भी साबित हो सकता है। यह लिवर में एन्जाइम्स के निर्माण को बढ़ा देता है जिससे लिवर प्रभावित होता है। गर्भावस्था के दौरान करेले के ज्यादा सेवन से गर्भपात का खतरा रहता है। करेले में एंटी लैक्टोलन तत्व भी होते हैं, जो गर्भावस्था के दौरान दूध बनने की प्रक्रिया में रुकावट लाता है।

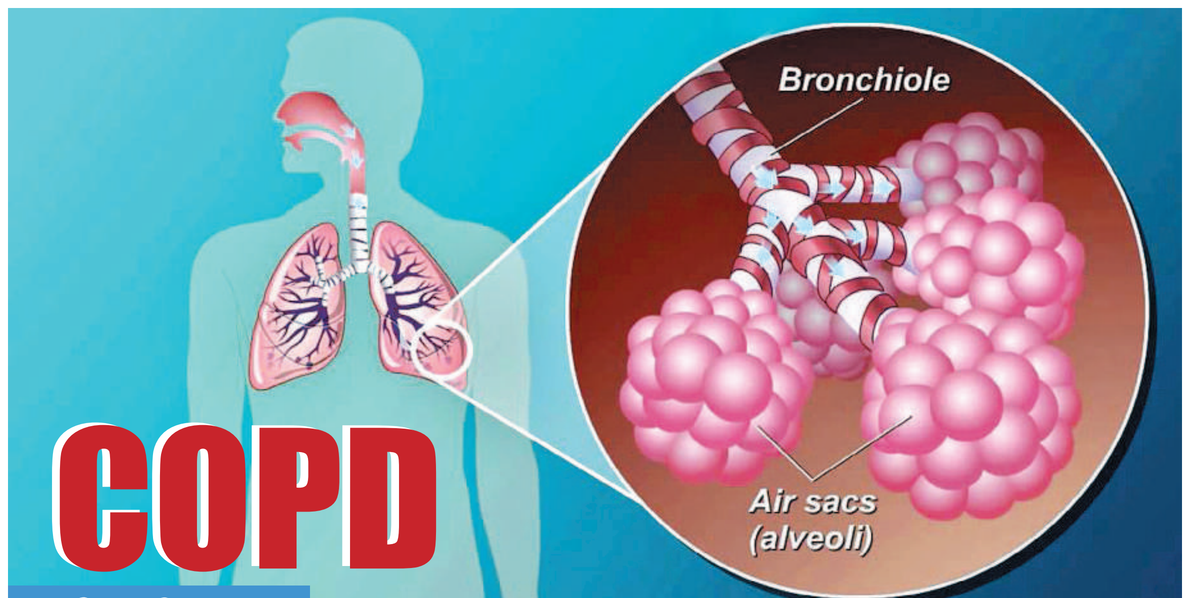

COPD के रोगी आज ही छोड़ें धूम्रपान

सर्दियों में खांसी होना आम बात है। लेकिन लंबे समय तक खांसी अगर आपका पीछा नहीं छोड़ती, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। यह सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) भी हो सकती है। सीओपीडी फेफड़ों की गंभीर बीमारी है। इसमें सांस की नलियां सिकुड़ जाती हैं और उनमें सूजन आ जाती है। यह सूजन निरंतर बढ़ती रहती है।

क्या है सीओपीडी

क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पलमोनरी डिजीज को सामान्य भाषा में क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस या फेफड़े की बीमारी भी कहते हैं। यह पुरुषों के लिए जानलेवा है। एंफीसीमा और क्रोनिक ब्रोंकाइटिस इसके दो प्रकार हैं और धूम्रपान इस बीमारी की प्रमुख वजह है। धूम्रपान के जरिए विषाक्त पदार्थ पुरुषों के फेफड़ों को प्रभावित करते हैं, इसके कारण फेफड़े की कोशिकाएं सही तरीके से काम नहीं कर पाती हैं और रक्त में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने वाले छोटे-छोटे वायुतंत्रों में गड़बड़ी आने से सांस लेना तक दूभर होने लगता है। यह फेफड़ों में संक्रमण भी फैलाता है।

सीओपीडी एक खतरनाक बीमारी है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन 2000 के अनुसार भारत में सीओपीडी से मरने वालों की संख्या कैंसर, मधुमेह, हार्ट अटैक और लकवे से मरने वालों की कुल संख्या से भी अधिक है। विश्व में सीओपीडी मौत का छठा सबसे बड़ा कारण है लेकिन 2020 तक आशंका है कि मौत के कारणों में इसका स्थान तीसरा होगा। सीओपीडी न केवल मौत का ही कारण है बल्कि मानव पीड़ा का भी यह एक बहुत बड़ा कारण है। सीओपीडी रोग के अधिक प्रभाव से ग्रस्त व्यक्ति कुछ कदम चलने के लिए भी तरस जाता है। थोड़ा चलते ही सांस बेकाबू हो जाती है।

कैसे पहचानें?

सीओपीडी के प्राथमिक लक्षणों की पहचान करना बहुत ही आसान है। अगर बलगम वाली खांसी लगातार दो महीने से अधिक बनी रहती है और मौसम बदलने पर पिछले दो साल से ऐसा हो रहा हो तो आपको डॉक्टर से तुरंत संपर्क करने की जरूरत है। खांसी के सामान्य सिरप और दवाएं इसमें कारगर नहीं होती। हालांकि ज्यादातर मामलों में सीओपीडी के लक्षण 35 साल की उम्र के बाद ही नजर आते हैं।

सीओपीडी के कारण

धूम्रपान के धुएं की मिलावट फेफड़ों के लिए बहुत घातक होती है। सीओपीडी का सबसे बड़ा कारण धूम्रपान है। सीओपीडी के लगभग 80 प्रतिशत रोगी ऐसे होते हैं जो धूम्रपान करते हैं। सीओपीडी के 20 प्रतिशत रोगी हालांकि वह धूम्रपान नहीं करते फिर भी धुएं वाले वातावरण में रहने के कारण रोग से ग्रस्त होते हैं।

सीओपीडी का उपचार

धूम्रपान छोड़ना एंव धूएंदार हवा से सांस को बचाना, सीओपीडी की किसी भी अवस्था में रोग की गंभीरता में कमी लाने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है। धूम्रपान छोड़ने के बाद फेफड़ों की अवस्था में सुधार आता है। इसके अलावा, वजन कम करना, नियमित व्यायाम और पौष्टिक आहार जैसे फल, प्रोटीन और हरी सब्जिया रोग को दूर करने में आपकी मदद करता हैं।

सीओपीडी रोग के लक्षण

- लगातार होने वाली खांसी
- लम्बे समय तक कफ बलगम और कफ बनना
- सर्दियों में खांसी होना
- कार्य करते समय सांस फूलना।
- धूम्रपान करते व्यक्ति में यह लक्षण बार-बार होने से सीओपीडी रोग की शुरूआत होती है।

क्या है हॉलिस्टिक हेल्थ केयर व इसकी उपयोगिता

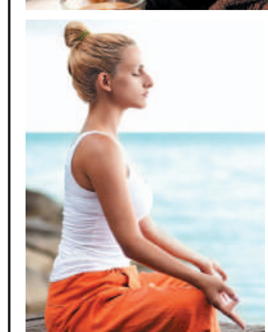

हॉलिस्टिक चिकित्सा वैकल्पिक, प्राकृतिक, प्राचीन व आधुनिक चिकित्सा पद्धति का मिश्रण है। इसके तहत मरीज के अंदर रोगों से लड़ने वाले तत्वों को सक्रिय किया जाता है। इसमें न तो किसी ऑपरेशन की जरूरत होती है और न मरीज को कोई दवा दी जाती है। इस चिकित्सा में एक्यूपंक्चर, यूनानी, आयुर्वेद, सिद्धा, योग, ध्यान, प्राणायाम, रिलैक्सेशन, विजुअलाइजेशन, पंचकर्म, काउंसिलिंग, रिफ्लेक्सोलॉजी, पिरामिडोलॉजी, संगीत, मंत्र, सम्मोहन, वशीकरण, उच्चाटन, समुचित आहार-विहार, प्राकृतिक चिकित्सा आदि का इस्तेमाल किया जाता है। मानव शरीर में एक खास शक्ति (प्राण) का सतत प्रवाह एवं निर्माण होता रहता है।

हॉलिस्टिक चिकित्सा का इतिहास

इस चिकित्सा का मूल सिद्धांत इस प्राणशक्ति को संतुलित रखना है। चीनी भाषा में इस प्राणशक्ति को ची यानी सकारात्मक ऊर्जा कहते हैं। इसमें दो तरह की ऊर्जा निहित होती है। कहा जाता है कि शरीर के भीतर प्राणशक्ति में जब तक समुचित संतुलन व समायोजन बना रहता है तब तक हमारा शरीर स्वस्थ रहता है और इस संतुलन में गड़बड़ी होने पर हमारे शरीर में बीमारियां घर कर जाती हैं। होलिस्टिक चिकित्सा नियमित रूप से लेते रहने पर दर्द धीरे-धीरे कम होता है और कुछ समय बाद दर्द इतना कम या नगण्य हो जाता है कि मरीज को सामान्य जीवन में कोई दिक्कत नहीं होती है।

हॉलिस्टिक चिकित्सा का फायदा

होलिस्टिक चिकित्सा की विधियां दर्द से प्रभावित क्षेत्र की मांसपेशियों को रिलैक्स होने में मदद करती है तथा शरीर में प्राकृतिक दर्दनिवारक तत्व के उत्सर्जन को बढाती है। इसके अलावा यह प्रभावित भाग में रक्त प्रवाह को बढ़ाती तथा वहां की स्नायुओं की कार्यक्षमता में सुधार लाती है। इसके परिणाम स्वरूप होलिस्टिक चिकित्सा दर्द से तत्काल राहत दिलाने के साथ - साथ शरीर की हीलिंग रिस्पॉन्स को स्पंदित करती है।

इन बीमारियों मे मिलता है लाभ

होलिस्टिक चिकित्सा कमर दर्द, गर्दन दर्द, गठिया, सयाटिका, कैंसर पीड़ा, सिर दर्द, माइग्रेन, इरीटेबल बाउल सिंड्रोम, साइनुसाइटिस, डिस्क समस्या, पेट दर्द, हर्पिज, न्यूरेल्जिया और डायबेटिक न्यूरोपैथी जैसे किसी भी तरह के दर्द का सफलतापूर्वक निवारण हो सकता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में होलिस्टिक चिकित्सा एवं एक्युपंक्चर को कैंसर रोगियों को कष्टों से निजात दिलाने की एक महत्वपूर्ण तरकीब के रूप में माना जाने लगा है। मौजूदा समय में होलिस्टिक चिकित्सा एक सम्पूर्ण चिकित्सा पद्धति के रूप में विकसित हुआ है। होलिस्टिक चिकित्सा में इस बात का ध्यान भी रखा जाता है कि कोई कार्य जब तक आप प्रेम भाव से नहीं करेंगे, तब तक उसमें कामयाब नहीं होंगे।

मोबाइल फोन के साथ सोना खतरनाक

आपकी ये आदत बन सकती है परेशानी

जब भी आप सुबह उठते हैं तो सबसे पहले अपना मोबाइल फोन उठाते हैं और सोशल साइट्स के अलावा कई दूसरी चीजें जैसे एसएमएस, मिस या वॉयस काल चेक करते हैं, लेकिन क्या रात में आईफोन या फिर एंड्रॉयड-स्मार्टफोन अपने पास रखकर सोने का कोई लॉजिक नहीं है। अगर एक दिन आपको बिना स्मार्टफोन के सोना पड़ जाए तो शायद रातभर आपकी आंखों में नींद न आए। स्मार्टफोन न सिर्फ आपकी रातों की नींद उड़ाता है बल्कि आपकी सेहत का भी नुकसान होता है।

बढ़ती है टॉक्सिन की मात्रा

रात में भी आपका ध्यान फोन की तरफ रहता है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। रात में अगर आप अपने फोन को अचानक उठाकर देखते हैं तो आपकी आंखें दिमाग को यह संदेश देती हैं कि शरीर को जागना है, जबकि दिमाग शरीर को सुलाने की कोशिश करता है। आपके दिमाग को रेस्ट करने का समय नहीं मिलता, जिससे शरीर में टॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। दिन में आप काम पर फोकस कर नहीं पाएंगे, साथ ही शरीर भी सुस्त रहेगा। दिन में 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी होती है। इसलिए अगर रात में आपको मोबाइल चलाने का बहुत शौक है तो आप अपने इस शौक को जरा विराम लगाई। वरना एक अच्छी सेहत आप खो देंगे।

बढ़ने लगता है आपका वजन

दिन-ब-दिन आपकी काबिलियत कम होती जाएगी, इसका सीधा कारण है नींद न पूरी होना, साथ ही आपका वजन भी बढ़ने लगेगा। कम सोने से शरीर के मैटाबॉलिज्म में बदलाव होने लगता है, जिससे शरीर का भार बढ़ता है। ज्यादातर डॉक्टरों का इस बारे में यही कहना है 9.00 बजे के बाद अपने फोन को खुद से दूर रखें और अपने शरीर की घड़ी के अनुसार चलें। यानि जब सोने का समय हो तो शरीर को सोने दें। वरना इस तरह की आदत से आप कई बीमारियों को आमंत्रित कर लेंगे। सोते समय मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने में ही समझादी है। और इससे आप अपनी सेहत का भी ख्याल रखते हैं।

रेसिपी

फलाहारी बाल्स

सामग्री

4 कच्चे केले, 2 बड़े आलू उबले छिले व मैश किए हुए, पनीर-100 ग्राम, 1/2 कप साबूदाना (आटा) बारीक पिसा, 1 टी स्पून अदरक, हरी मिर्च पिसी, काली मिर्च पावडर, सेंधा नमक तथा पुदीना पावडर, बारीक कटा हरा धनिया, तलने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले पनीर के 1-1 इंच के टुकड़े कर लें व हल्का-सा नमक व काली मिर्च बुरका कर रख दें। तेल तथा पनीर छोड़कर सभी सामग्री ठीक से मिला लें व गोले बना लें (जितने पनीर के टुकड़े हों)। 1 गोला लें व हथेली पर फैला लें। इस पर 1 टुकड़ों पनीर रखें व ठीक से बंद कर दें। अब तेल गर्म करें व सुनहरा होने तक हर गोले को तल लें। उतारकर बीच से काट लें व चारों तरफ हरी चटनी से सजाकर गरमा-गरम चटपटे फलाहारी बॉल्स हरी चटनी या रायते के साथ पेश करें।

तालूमेन सूप

सामग्री

1 कप बारीक कटी हुई मिली-जुली सब्जियां (फूलगोभी , गाजर , पत्तागोभी , हरी प्याज़ का सफेद भाग), 1/2 कप कसी हुई मीठी मकई, 4 कप क्लीयर व्हेजिटेबल स्टॉक, 1/2 टी-स्पून सोया सॉस, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 3/4 कप कच्चे हक्का नूडल्स, टुकड़ो में तोड़े हुए, 2 टेबल-स्पून तेल, नमक और ताज़ी पिसी काली मिर्च , स्वादअनुसार, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी प्याज़ के पत्ते, **परोसने के लिए:** चिलीस् इन विनेगर, चिली सॉस, सोया सॉस

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन या वॉक मे तेल गरम करें, मिली-जुली सब्ज़ियां डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। मकई, व्हेजिटेबल स्टॉक, सोया सॉस, शक्कर, नूडल्स नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए, 8 से 10 मिनट के लिए पका लें। काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें। हरी प्याज के पत्तों से सजाकर, चिलीस् इन विनेगर, चिली सॉस और सोया सॉस के साथ तुरंत परोसें।

कहीं आप भी 'फोमो' के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप 'फोमो' यानि 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको 'फोमो' का शिकार बना सकती है।

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे 'फोमो' का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि 'फोमो' सोशल एंजाइटी का रूप है ।

रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परजिनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

जब नहीं मिलता अटेंशन

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटेंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढ़ना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटैंशन मिलना बंद हो जाता है, 'फोमो' फोबिया उन पर हावी हो जाता है। ऐसे में आपके मन में 'फीयर ऑफ मिसिंग आऊट' जैसी बातें आने लगती हैं।

आपके भीतर पैदा कर देता है 'डर'

'फोमो' में एक व्यक्ति के भीतर डर विकिसत होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यत: कोई व्यक्ति 'फोमो' के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षति या अकेला महसूस करने लगता है ।

सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ 'फोमो' ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहेवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है । वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यत: लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

कार्टूस की रंगीन दुनिया

मिकी माउस

दुनिया का सबसे चर्चित कार्टून कैरेक्टर मिकी माउस फालतू कागज पर बना था। जब वाल्ट डिज्नी को काफी जगह भटकने के बाद भी काम नहीं मिला, तो उन्हें चर्च के पादरी ने कुछ कार्टून बनाने का काम दिया। वह जिस शेड के नीचे काम कर रहे थे, वहां चूहे उधम मचा रहे थे। एक चूहा देखकर उनके मन में एक कार्टून बनाने का ख्याल आया और वहीं से मिकी माउस का जन्म हुआ।

मिकी वाल्ट डिज्नी का बनाया हुआ सबसे पहला और सबसे लोकप्रिय कार्टून है। मिकी माउस और उसके दोस्त प्लूटो, जोकि एक कुत्ता है, की मस्ती देखकर कोई भी हंसे बिना नहीं रह सकता। लोगों ने पहली बार 18 नवंबर, 1928 को न्यूयॉर्क सिटी में प्रदर्शित एक फिल्म में मिकी को देखा। मिकी ने मूक सिनेमा में भी काम किया है और बोलती हुई फिल्मों में भी।

डोरेमोन

यह सीरीज एक ऐसे रोबोटिक बिल्ले की है, जो 22वीं सदी से यानी भविष्य से आया हुआ है। इसके पास कई तरह के उपकरण हैं, जिनसे यह नोबिता नोबी की हमेशा मदद करने की कोशिश करता है। डोरेमोन जैसा दोस्त हर बच्चे का सपना है, ताकि उसे भी नोबिता की तरह गैजेट्स मिल जाएं और वह भी अपने सारे काम उसकी मदद से पूरे कर सके।

डोरेमोन प्रसिद्ध जापानी कार्टून है, जिसे क्रियेट किया है फुजिको एफ फुजियो ने। यह सीरीज पहली बार दिसंबर 1969 में एक साथ छह मैगज़िंस में प्रकाशित हुई थी। ओरिजनल सीरीज में 1,344 कहानियां क्रियेट की गई थीं। 45 वॉल्यूम्स में ये कहानियां जापान में टॉयामा में कोकॉका सेंट्रल लाइब्रेरी में रखी हुई हैं।

डॉनल्ड डक

वाल्ट डिज्नी के इस कार्टून कैरेक्टर को पहली बार 9 जून 1934 को पर्दे पर उतरा गया था। 1949 तक डोनल्ड मिकी के साथ दुनिया का सबसे प्रसिद्ध कार्टून कैरेक्टर बन चुका था। अनेक कार्टून स्टोरीज़ के अलावा यह 18 फीचर फिल्मों, 150 से अधिक छोटी कार्टून फिल्मों, 8 टेलीविजन सीरियल्स और 21 वीडियो गेम्स में प्रमुख भूमिका निभा चुका है। सिली सिंफनीज की 'द वाइज लिटिल हेन डॉनल्ड', डोनल्ड की पहली फिल्म थी।

अपनी बेवकूफाना हरकतों और गुस्सैल मिजाज के चलते डॉनल्ड डक जल्द ही दर्शकों में लोकप्रिय हो गया। डॉनल्ड डक, मिकी, मिनी, गूफी और प्लूटो की शैतान फौज के साथ धमाचौकड़ी मचाने में उस्ताद है। यह वास्तव में एक मासूम-सा किरदार है, जो अच्छे काम करना चाहता है, लेकिन हर बार उसका काम बिगड़ जाता है, मगर वह हिम्मत नहीं हारता।

कार्टून सीरियल्स हमेशा से ही बच्चों के पसंदीदा रहे हैं। हर उम्र का बच्चा इन्हें देखना पसंद करता है। सारा दिन एक ही कार्टून देखकर भी बच्चे बोर नहीं होते। समय-समय पर नए-नए कार्टून सीरियल्स बच्चों के दिलों में अपनी जगह बनाते रहे हैं...

टॉम एंड जैरी

पिछले कई सालों से शरारती चूहे और खुराफाती बिल्ले की नोकझोंक बच्चों को लुभा रही है। टॉम का असली नाम थॉमस है, जोकि नीली- स्लेटी आंखों वाला घरेलू बिल्ला है और जैरी भूरे रंग का छोटा-सा चूहा है। यह सीरीज बिल्ले और चूहे के बीच लगातार चलने वाली दुश्मनी पर केंद्रित है।

टॉम हो या जैरी, दोनों एक-दूसरे के पीछे पड़े रहते हैं। प्रत्येक कार्टून फिल्म की कहानी आमतौर पर जैरी को पकड़ने के लिए टॉम के अनगिनत प्रयासों और उसके कारण हुई हाथापाई और दौड़ा-भागी पर आधारित होती है। टॉम एंड जैरी के क्रियेटर हैं जोसेफ और हाना। इनकी जोड़ी ने 17 साल के सफर में टॉम एंड जैरी सीरीज़ के लिए सात ऑस्कर पुरस्कार हासिल किए और कुल 14 बार इन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

स्पाइडरमैन

स्पाइडर मैन (पीटर बेंजामिन पारकर) मार्वल कॉमिक्स का काल्पनिक सुपर हीरो है। इसके रचयिता स्टैन ली और स्टीव डिटको हैं। 15 अगस्त 1962 को स्पाइडरमैन पहली बार दुनिया के सामने पेश किया गया। ली और डिटको ने स्पाइडर मैन की प्रेरणा एक अनाथ बच्चे से ली, जिसे उनके अंकल-आंटी ने पाल पोसकर बड़ा किया था। उन्होंने स्पाइडर मैन को खास ताकत दी, जिसे 'वैब शूटर्स' कहा गया। स्पाइडर मैन वास्तव में पीटर पार्कर हाई स्कूल में पढ़ने वाला एक युवक है, जो जानता है कि विशाल ताकत के साथ ज़िम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

बग्स बनी

बग्स बनी, वार्नर ब्रदर्स का प्रसिद्ध कार्टून तथा कॉमिक्स कैरेक्टर है। यह है तो खरगोश, पर इसमें कुछ क्वालिटीज बग्स की भी हैं। यह बेहद शरारती खरगोश है जो अपनी चालाकी से लोगो को छकाता रहता है। बग्स बनी का जन्म ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क में 27 जुलाई, 1940 को हुआ था। रॉबर्ट मैकिमसन ने बग्स बनी का कैरेक्टर डिजाइन किया था।

जिज्ञासा

पंद्रह साल की थकान के बाद सो गया!

विश्व के प्रथम स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन मीर का 23 मार्च सन 2001 को भारतीय समय के दिन के 11 बजकर 29 मिनट पर न्यूजीलैंड और चिली के बीच के समुद्र में जलसमाधि के साथ अंत हो गया और इसी के साथ अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र के एक गौरवशाली इतिहास का भी अंत हुआ।

अपने 15 साल के अंतरिक्ष प्रवास में मीर अंतरिक्ष स्टेशन ने मानव कल्याण की दृष्टि से अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य किए और शायद इसने 'यथा नामो तथा गुणो' लोकोक्ति को भी चरितार्थ कर दिया।

मीर शब्द रूसी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है शांति। पिछले कुछ वर्षों से मीर अंतरिक्ष स्टेशन में कई समस्याएँ चल रही थीं तथा इसका प्रचालन मुश्किल पड़ रहा था। मीर अंतरिक्ष स्टेशन में छोटी-मोटी कई दुर्घटनाएँ हुईं, लेकिन जून 1997 में मीर अंतरिक्ष स्टेशन और मालवाहक प्रोग्रेस यान के बीच अंतरिक्ष में हुए टकराव से मीर स्टेशन के ढांचे को काफी क्षति हुई और इसमें कुछ दरारें पड़ जाने से एक मोड्यूल की ऑक्सीजन अंतरिक्ष में रिस गई। बाद में इसकी मरम्मत भी की गई। रेकॉर्डों के अनुसार, अंतरिक्ष में दो मानव निर्मित पिंडों के बीच घटित होनेवाला यह पहला टकराव था। जुलाई 2000 में मीर अंतरिक्ष स्टेशन को नीदरलैंड की एक कंपनी मीर कार्प्स ने लीज पर लिया तथा इसको प्रचलित करने का बीड़ा उठाया। मीर कार्प्स कंपनी में 60 प्रतिशत शेयर आरकेके इनर्जिया कंपनी के थे जिसने मीर अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण किया था तथा जो अब तक इस स्टेशन का प्रचालन कर रही थी। सारे प्रयासों के बावजूद जब रूस ने यह महसूस किया कि अंतरिक्ष स्टेशन मीर काफी बूढ़ा हो गया है तथा उसके तमाम तंत्र काम नहीं करत रहे हैं और उसका प्रचालन काफी महँगा पड़ रहा है, तब रूसी अंतरिक्ष अधिकारियों एवं सरकार ने उसे कक्षा से हटाकर (डी ऑरबिट) पृथ्वी में समुद्र में गिरा देने का निर्णय लिया।

पानी का गिरगिट

कटलफिश को वैसे तो मछली कहते हैं, पर यह मछली प्रजाति में नहीं आती है। दरअसल, यह मोलस्क (घोंघा) प्रजाति की होती है, जिसे सबसे बुद्धिमान प्रजातियों में से एक माना जाता है। कटलफिश को पानी का गिरगिट भी कहते हैं। यह बहुत चालाक जानवर है, जो आसपास खतरा देखकर बैकग्राउंड के अनुसार सुनहरा, सिल्वर, नीला, हरा इत्यादि कई तरह के रंग बदल सकती है, हालांकि यह रंगों को देख नहीं सकती हैं। कटलफिश इंग्लिश चैनल, अफ्रीका के पश्चिमी किनारे से दक्षिणी सिरे और मैडिट्रेनियन सी में पाई जाती है। कटलफिश की आंखें बाहर की ओर उभरी हुई होती हैं। यह न सिर्फ सामने, बल्कि पीछे भी देख सकती है। इसकी आठ बांहें और दो टैंटेकल्स होते हैं। टैंटेकल्स के बीच चोंच जैसा इसका मुंह होता है। खतरा महसूस होने पर ये भी सक्विड की तरह लिक्विड फेंकती हैं। शिकारियों को कन्फ्यूज करने और डराने के लिए ये इसका इस्तेमाल करती हैं। इससे वहां वातावरण धुंधला हो जाता है और यह बचकर भाग निकलती हैं। शिकार में एक्सपर्ट ये अपने शिकार को हिप्नोटइज करना भी जानती हैं।

हम बताएं...आप बनाएं

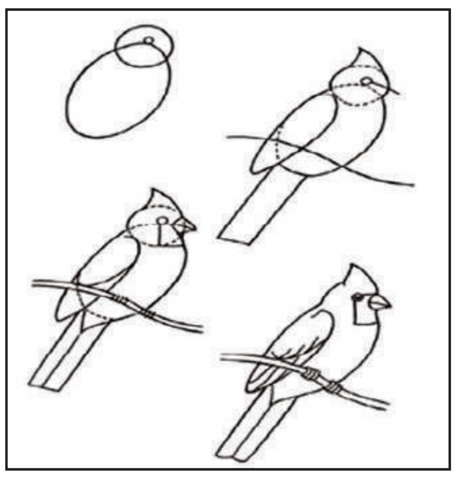

अंतर बताओ

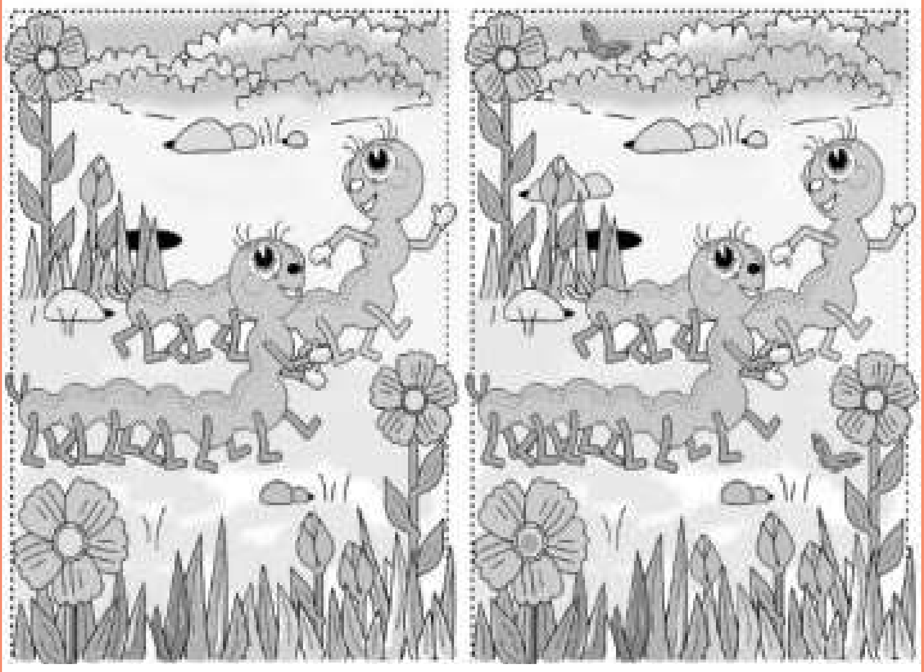

रास्ता ढूंढो

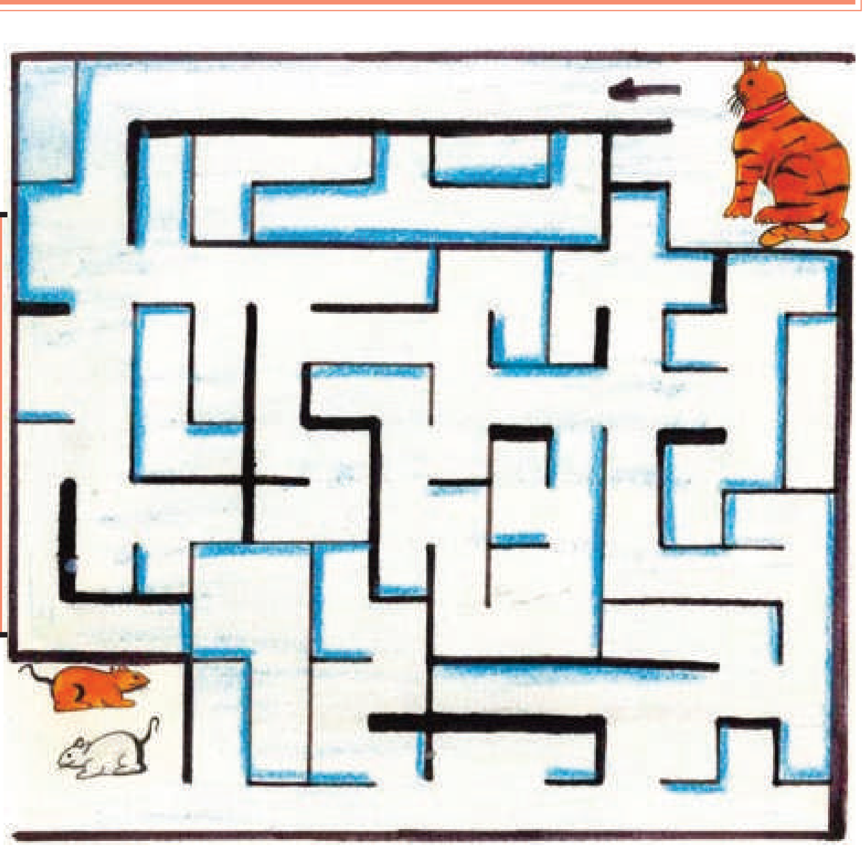

क्या आप जानते हो

- दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना यादा।

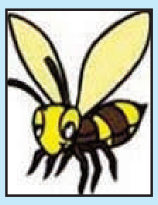

- मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियाँ हो सकती हैं।
- नील नदी की लंबाई (650 कि.मी.) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 कि.मी.) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

- 26 अप्रैल 2008 को जोहानेसबर्ग में खेले गए अफ़्रीकन कनफ़ेडरेशन कप फुटबॉल मैच का सबसे सस्ता टिकट 100,000,000 ज़िंबाब्वे डॉलर का था।
- भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एम.डी.एच. का पूरा नाम महाशियाँ दी हट्टी है।
- संयुक्त अरब इमारात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

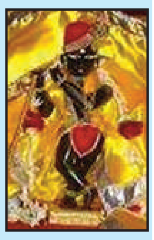

- कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।
- सत्रहवीं शती में मुग़ल सम्राट औरंगज़ेब के आक्रमण के बाद वृंदावन में कृष्ण की राधा-रमण नामक केवल यह एक प्रतिमा बची थी।
- मधुमक्खी के कान नहीं होते। इसकी कमी को उसके शक्तिशाली एंटिना स्पर्श से पूरा करते है।

- गौरैया एक ऐसा पक्षी है जो पालतू न होने पर भी मनुष्य के आसपास ही रहना पसंद करता है।
- राजस्थान में सुंधा माता नामक एक ऐसा पर्वत है जहाँ खंडित मूर्तियों को रखना पवित्र माना जाता है।

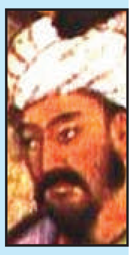

- बाबर अपने समय की सामान्य रूप से बोली जाने वाली भाषा फ़ारसी में प्रवीण था, पर उसकी मातृभाषा चागताई थी और उसने अपनी आत्मकथा बाबरनामा चागताई में ही लिखी।
- याहू डॉट कॉम का नाम पहले 卐जेरीज गॉइड टू वर्ल्ड वाइड वेब卐 था अप्रैल 1994 में इसे बदल कर याहू डॉट कॉम कर दिया गया।
- आलू की खेती में विश्व में तीसरा स्थान रखने वाला भारत 16वीं शती से पहले इसके विषय में जानता तक नहीं था।

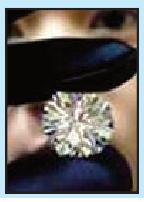

- भारत का सबसे बड़ा हीरा ग्रेट मुग़ल जब 1650 में गोल कुंडा की खान से निकला तो इसका वजन 787 कैरेट था।

मराठी लोककथा:

नेकी का फल

एक पेड़ पर एक बंदरिया रहती थी। वह बड़ी नेक और उदार थी। पेड़ के पास एक कुटया थी। वहीं एक बुढ़िया रहती थी। वह बुढ़िया बहुत गरीब थी। एक दिन उसके पास चूल्हे के लिए लकड़ी नहीं थी, तो वह कागज जलाकर रोटियां बनाने लगी। कागज बार-बार बुझ जाते और बुढ़िया की रोटी कच्ची ही रह जाती। पेड़ पर बैठी बंदरिया यह देख रही थी। वह भागकर टाल पर गई और कुछ लकड़ियां उठा लाई। उसने लकड़ियां बुढ़िया को दे दीं। जब बुढ़िया की रोटियां खूब फूलने लगीं, तो बंदरिया रोटियों के चारों तरफ नाचने लगी। बूढ़ी ने पूछा – 'ए बंदरिया, तू मेरी रोटी पर क्यों नाच रही है?' बंदरिया बोली – 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने तुझको दी, तूने उसकी रोटी बनाई, अब तू मुझे रोटी नहीं देगी?'बूढ़ी ने बंदरिया को हंसकर दो रोटी दे दी। रोटी लेकर बंदरिया आगे चल पड़ी। आगे उसे एक कुम्हार मिला। उसका बच्चा रोटी के लिए रो रहा था मगर कुम्हार का एक भी मटका नहीं बिका था, तो रोटी कहां से आतीं? बंदरिया ने कुम्हार से बच्चे के रोने का कारण पूछा और उसे दो रोटियां दे दीं। अब बंदरिया कुम्हार के मटके पर नाचने लगी। कुम्हार ने पूछा, 'ऐ बंदरिया, तू मेरे मटके पर क्यों नाच रही है?'

बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने तुझे दी, अब तू मुझे एक मटका नहीं देगा?' कुम्हार ने हंसकर बंदरिया को एक मटका दे दिया। मटका लेकर वह आगे चल पड़ी। आगे एक दूधवाला सिर पर हाथ टिकाए बैठा था। उसकी भैंसें पास खड़ी थीं। बंदरिया ने उसकी उदासी का कारण पूछा, तो वह बोला, 'क्या बताऊं, मैं भैंसों को तो ले आया हूं मगर दूध निकालने का बर्तन तो घर पर ही भूल आया हूं। अब कैसे दूध निकालूं और कैसे बेचूं?'

बंदरिया बोली, 'बस इतनी सी बात। लो मेरा मटका ले लो।' दूधवाले ने खुशी से मटका ले लिया। वह अभी दूध निकाल ही रहा था कि बंदरिया उसकी भैंस पर नाचने लगी। दूधवाला बोला, 'ए बंदरिया, तू मेरी भैंस पर क्यों नाच रही है रे?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने तुझको दिया, तू मुझे अपनी भैंस न देगा।' दूध वाला सोच में पड़ गया। बंदरिया बोली, 'नहीं तो मेरा मटका वापस कर।' दूधवाले ने उसे एक भैंस की रस्सी थमा दी। बंदरिया भैंस पर बैठकर आगे चल पड़ी। आगे उसे एक ब्राह्मण का परिवार मिला। उसके बहुत बच्चे थे और वे दूध के लिए रो रहे थे। बंदरिया ने उसे अपनी भैंस दे दी। दूध पीकर बच्चे चुप हो गए। अब बंदरिया बच्चों के चारों ओर नाचने लगी।

ब्राह्मण बोला, 'ए बंदरिया, मेरे बच्चों पे क्यों नाच रही है?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने तुझको दी, अब तू मुझे अपना बच्चा दे दे।' ब्राह्मण वैसे ही अपनी गरीबी से परेशान था, उसने अपने सबसे छोटे बच्चे को उसे दे दिया। बच्चे को कंधे पर लिए बंदरिया चलते-चलते राजा के बगीचे में पहुंची। वहां राजा-रानी चिंता में डूबे हुए बैठे थे। बंदरिया ने उनसे चिंता का कारण पूछा, तो वे बोले, 'हमारी कोई संतान नहीं है। इसलिए हम दुखी हैं।' 'अरे, इसमें दुखी होने वाली क्या बात है? मेरे पास एक बच्चा है। तुम इसे रख लो।' रानी ने बच्चा ले लिया। अब बंदरिया एक आम के पेड़ के चारों ओर नाचने लगी। राजा ने पूछा, 'ए बंदरिया, तू मेरे पेड़ पे क्यों नाच रही है रे?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने ब्राह्मण को दी, उसने मुझे अपना बच्चा दिया, बच्चा मैंने तुझको दिया, अब ये पेड़ मेरा होगा, बोल?'

राजा ने हंसकर कहा, 'तुम एक नेक और अच्छी बंदरिया हो। आज से ये सारा बगीचा तुम्हारा है। खूब खाओ-पिओ और मौज करो।' और बंदरिया राजा के बगीचे में ठाठ से रहने लगी।

मान्ट्रियल मास्टर्स : बेन शेल्टन चौथे दौर में पहुंचे, ग्रिक्सपूर ने अरनाल्डी को हराया

मान्ट्रियल

अमेरिका के पांचवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के जिजो बर्ग्स को सीधे सेटों में हराकर मान्ट्रियल मास्टर्स 2026 के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। शेल्टन ने खेले गए मुकाबले में बर्ग्स को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

23 वर्षीय शेल्टन ने मुकाबले में आठ ऐस लगाए और दूसरे सेट में तीन बार बिना कोई अंक गंवाए गेम जीते। उन्होंने महज 65 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन अब बचे हुए खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं।

शेल्टन ने कहा, मेरे लिए यह अच्छा दिन था। मैंने मैच को अच्छी तरह संभाला। उन्होंने शुरुआत में बेहद अच्छी सर्विस की, इसलिए मुझे कुछ बदलाव करने पड़े। मैंने उनकी सर्विस तोड़ने का तरीका ढूंढ लिया और बढ़त मिलने के बाद दबाव बनाए रखा।

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए शेल्टन का सामना ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से होगा। फोंसेका ने नौवीं वरीयता प्राप्त नार्वे के कैस्पर रूड को 7-6 (8/6), 6-3 से हराया।

ग्रिक्सपूर ने अरनाल्डी को किया बाहर

इस बीच, नीदरलैंड के टैलोन ग्रिक्सपूर ने इटली के माटेओ अरनाल्डी को तीन सेटों के संघर्ष में 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

ग्रिक्सपूर ने इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त और फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। अरनाल्डी ने शुरुआती सेट में दबदबा बनाया, लेकिन ग्रिक्सपूर ने स्वीडिश कोच थामस हागस्टेड की सलाह के बाद मुकाबले में वापसी की।

विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज ग्रिक्सपूर ने निर्णायक सेट में दो बार अरनाल्डी की सर्विस तोड़ी। हालांकि उन्होंने एक ब्रेक गंवा दिया, लेकिन तुरंत वापसी करते हुए तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। मुकाबला दो घंटे से अधिक चला।

ग्रिक्सपूर ने कहा, टेनिस बहुत मुश्किल खेल है। जब तक आखिरी गेंद नहीं खेली जाती, तब तक मुकाबला खत्म नहीं होता। मैंने अपना ध्यान बनाए रखने की कोशिश की और जिस तरह से मैंने मैच संभाला, उससे खुश हूं।

उन्होंने कहा, अभ्यास में मेरा स्तर अच्छा रहा है, लेकिन मैं उसे मैच में नहीं बदल पा रहा था। आज आसान नहीं था, लेकिन ऐसी जीत के बाद खुशी है। मैं अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर से काफी दूर था, फिर भी मैच में खुद को बनाए रखा और जीत हासिल की।

अब ग्रिक्सपूर का सामना क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए स्पेन के डेनियल मेरिडा से होगा। मेरिडा ने अमेरिका के एलेक्स माइकेल्सन को 6-4, 6-7 (4/7), 6-1 से हराया। दूसरे सेट में मेरिडा ने दो मैच प्वाइंट बचाए।

मेरिडा ने इस सप्ताह से पहले टूर स्तर पर हार्ड कोर्ट पर कभी कोई मैच नहीं जीता था। वह पिछले महीने क्रोएशिया में उमाग क्ले कोर्ट खिताब जीतने के बाद कनाडा पहुंचे हैं।

न्यूज ब्रीफ

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: 400 मीटर फाइनल में आठवें स्थान पर रहे मोहम्मद अशफाक

यूजीन, ओरेगन। भारत के मोहम्मद अशफाक विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल में आठवें स्थान पर रहे। फाइनल में अशफाक ने 46.20 सेकंड का समय निकाला। दूसरी लेन में दौड़ रहे अशफाक ने तेज शुरुआत की और कुछ समय तक शीर्ष पांच खिलाड़ियों में बने रहे। हालांकि, अंतिम चरण में उनकी रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई और वह आठवें स्थान पर रहे। अमेरिका के जेडेन डीलियोन ने 44.47 सेकंड के चैंपियनशिप रिकार्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके हमवतन क्विंसी विल्सन ने 44.62 सेकंड के साथ रजत, जबकि दक्षिण अफ्रीका के लीनडर्ट कोएकेमोर ने 44.96 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। यह विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के इतिहास में पहली बार है जब पुरुषों की 400 मीटर फाइनल में तीनों पदक विजेताओं ने 45 सेकंड से कम समय निकाला। अशफाक ने बनाया था राष्ट्रीय रिकार्ड अशफाक ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पहुंचने से पहले अंडर-20 राष्ट्रीय रिकार्ड भी तोड़ा था। 19 वर्षीय भारतीय धावक ने हीट-5 में 45.81 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने अपना ही 46.05 सेकंड का पिछला राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा था, जो उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में अंडर-20 फेडरेशन कप में बनाया था। सेमीफाइनल की हीट-3 में अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने टाटा समूह से टीम भंग करने के फैसले पर पुनर्विचार करने कहा

कोलकाता। जमशेदपुर एफसी के इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) से हटने और अपनी सीनियर टीम को भंग करने के फैसले से भारतीय फुटबाल जगत सदमें में है। इस घोषणा के बाद से ही क्लब के खिलाड़ी हताश हैं और उन्होंने टाटा समूह से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। खिलाड़ियों के अनुसार ये कदम केवल एक टीम के बंद होने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव भारतीय फुटबाल के भविष्य के साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं पर पड़ेगा। भविष्य और अनगिनत युवा खिलाड़ियों के सपनों पर पड़ेगा। गौतरतलब है कि जमशेदपुर एफसी ने इस हाल ही में कहा था कि वह 4 सितंबर से शुरू होने वाले सुपर लीग सत्र में भाग नहीं लेगी। यह घोषणा क्लब द्वारा लीग भागीदारी शुल्क जमा करने की तय समय सीमा निकल जाने के कुछ ही समय बाद की गई थी। इस फैसले के साथ ही क्लब की सीनियर टीम को भंग करने की भी घोषणा कर दी गयी जिससे खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के भविष्य पर संशय के बादल छा गये हैं। इस फैसले से निराश क्लब के अनुभवी मिडफील्डर प्रणय हल्दर ने कह कि उन्हें टाटा समूह से ऐसी उम्मीदें नहीं थी। उन्होंने बेहद भावुक अपील करते हुए कहा, यह मेरे लिए बेहद हैरान करने वाली खबर थी।

लंबे प्रारुप में खेलने की तैयारी में लगे वैभव, आरआर अकादमी में कर रहे अभ्यास

नागपुर। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब लाल गेंद क्रिकेट में क्रिकेट में जगह बनाने के लिए नागपुर के पास तलेगांव स्थित राजस्थान रायल्स (आरआर) अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। इस अकादमी का अपना सेंटर आफ एक्सीलेंस भी है जिसमें वैभव लंबे प्रारुप के अनुसार अपने को ढालने में लगे हैं। वैभव ये अभ्यास सहायक कोच विक्रम राठौर की देखरेख में कर रहे हैं। वैभव के साथ ही कई अन्य उभरते हुए क्रिकेटर भी इसमें अभ्यास कर रहे हैं। वैभव ने अब तक सीमित ओवरों के टी20 प्रारुप में ही खेला है। 15 आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाज के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अवसर मिला। आईपीएल की तरह ही उन्होंने टी20 प्रारुप में भी जमकर रन बनाये। वैभव का कहन है कि उसे लंबे प्रारुप में भी खेलने में कोई परेशानी नहीं है। वैभव के अनुसार वह इस प्रारुप में भी सीमित ओवरों जितना ही सहज हैं। वर्तमान में फ्रेंचाइजी ने 10 दिन का विशेष कैंप आयोजित किया है, जिसमें वैभव के अलावा तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, रवि सिंह और सुशांत मिश्रा जैसे उभरते खिलाड़ी अपना कौशल निखारने में लगे हैं।

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप : पूजा ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह, लंबी कूद में दो भारतीय पदक की दौड़ में

यूजीन, ओरेगन

भारत की पूजा ने विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। राष्ट्रीय रिकार्डधारी पूजा ने 1.79 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पदक दौर में प्रवेश किया। सीधे क्वालीफिकेशन के लिए 1.84 मीटर का मानक निर्धारित था, लेकिन कोई भी एथलीट इसे पार नहीं कर सकी। ऐसे में 1.79 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाने वाली सभी 12 एथलीट फाइनल में पहुंचीं। पूजा ने इसी साल हरियाणा की इस युवा एथलीट ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1.93 मीटर की छलांग लगाकर 14 साल पुराना सीनियर राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा था। यह रिकार्ड पहले सहाना कुमारी के नाम था। पूजा ने उस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक भी जीता था।

लंबी कूद में दो भारतीय फाइनल में

पुरुषों की लंबी कूद में भारत के शाहनवाज खान और आर.सी. जितिन अर्जुनन ने भी फाइनल में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ी सीधे क्वालीफिकेशन के लिए निर्धारित 7.75 मीटर का मानक हासिल नहीं कर सके, लेकिन शीर्ष-12 में रहने के कारण पदक दौर में पहुंच गए।

शाहनवाज ने 7.73 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर ग्रुप-ए में चौथा और कुल मिलाकर पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं जितिन अर्जुनन ने 7.57 मीटर की छलांग के साथ ग्रुप-ए में सातवां और कुल 12वां स्थान हासिल किया।

नियम के अनुसार 7.75 मीटर का सीधे क्वालीफिकेशन मानक हासिल करने वाले या दोनों ग्रुपों में कुल शीर्ष 12 में रहने वाले एथलीट फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की पूनम फाइनल में जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गईं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 48.81 मीटर रहा, जिससे वह कुल 13वें स्थान पर रहीं।

फाइनल में पहुंचने के लिए निर्धारित सीधे क्वालीफिकेशन मानक 52.50 मीटर था। अंतिम क्वालीफिकेशन स्थान हासिल करने वाली नीदरलैंड की जोली बारवेल्ड्ट ने 49.08 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और पूनम से आगे निकल गईं।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप : आशीष यादव ने भाला फेंक में जीता रजत, भारत को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में मिला पहला पदक

यूजीन, ओरेगन। भारत के आशीष यादव ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश का खाता खोला। आशीष ने फाइनल में 74.09 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। आशीष ने अपने तीसरे प्रयास में 74.09 मीटर भाला फेंककर पोडियम स्थान सुनिश्चित किया। वह विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भाला फेंक में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले नीरज चोपड़ा ने 2016 में स्वर्ण पदक जीता था। दक्षिण अफ्रीका के जान-हेन्ड्रिक हेमन्स ने 80.50 मीटर के शानदार प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। यह इस सत्र में किसी अंडर-20 खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हेमन्स ने अपने पहले ही प्रयास में बढ़त हासिल कर ली थी और हर राउंड के साथ अपना प्रदर्शन बेहतर करते हुए पहली बार 80 मीटर से अधिक की दूरी हासिल की। आशीष की शुरुआत हालांकि धीमी रही। उनके पहले दो प्रयास 70 मीटर की दूरी भी पार नहीं कर सके। लेकिन तीसरे प्रयास में उन्होंने लय हासिल करते हुए 74.09 मीटर की दूरी तय की और अपने करियर का सबसे बड़ा पदक अपने नाम कर लिया। कामनवेल्थ आफ डोमिनिका के एडिसन जेम्स ने 73.89 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले दूसरे भारतीय टी. धरनीधरन 72.35 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ छठे स्थान पर रहे।

मेसी के संन्यास का फैसला सिर्फ उनका होगा अर्जेंटीना फुटबाल प्रमुख

ब्यूनस आयर्स

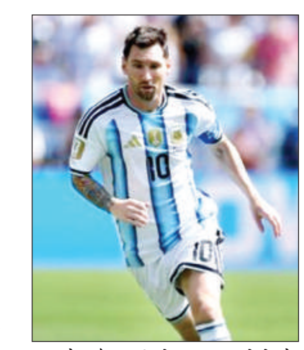

अर्जेंटीना फुटबाल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो चिकी तापिया ने कहा है कि दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी के संन्यास का फैसला पूरी तरह उन्हीं का होगा। 2026 विश्व कप में मेसी के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए तापिया उन्हें संन्यास के लिए जल्दबाजी में विदा करने के पक्ष में नहीं हैं।

अर्जेंटीना टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में तापिया ने कहा, यह पूरी तरह और व्यक्तिगत रूप से उनका फैसला है। आपको उन्हें आराम से रहने देना होगा।

उन्होंने कहा, 2022 में हमें नहीं पता था कि वह 2026 में खेलेंगे या नहीं। उन्होंने कहा था कि वह मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे। मुझे लगता है कि हमने विश्व कप में लियो का शानदार, अगर उनका सर्वश्रेष्ठ नहीं तो बेहतरीन रूप देखा है। आपको उन्हें फुटबाल खेलने का आनंद लेते रहने देना चाहिए और उसके बाद वह वही फैसला करेंगे, जो उन्हें सही लगेगा।

24 जून को 39 वर्ष के हुए मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास लेने की कोई समयसीमा नहीं बताई है। उन्होंने यह भी संकेत नहीं दिया है कि वह इंटर मियामी के लिए और कितने समय तक खेलना जारी रखेंगे।

विश्व कप में मेसी ने फिर दिखाया दम - 2022 में अर्जेंटीना को विश्व कप खिताब दिलाने वाले मेसी के लिए 2026 विश्व कप में खेलना भी निश्चित नहीं माना जा रहा था। हालांकि, उन्होंने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ गोल और चार असिस्ट किए। अर्जेंटीना को पिछले महीने अमेरिका में खेले गए विश्व कप फाइनल में अतिरिक्त समय में स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। मेसी ने इस विश्व कप के दौरान मिरोस्लाव क्लोजे के 16 गोल के विश्व कप रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। हालांकि फ्रांस के किलियन एमबापे ने टूर्नामेंट में कुल 22 गोल के साथ मेसी को पीछे छोड़ दिया। तापिया ने कहा, लियो का विश्व कप शानदार रहा। हमने इसका बहुत आनंद लिया और हमें गर्व महसूस करना चाहिए। मैंने उनके हर पल का आनंद लिया। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह विश्व कप में इस टीम के अगुवा थे। अगर आप उनके विश्व कप का विश्लेषण करें तो मेरे लिए वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी थे। वह मैच दर मैच रिकार्ड तोड़ रहे थे।

2030 विश्व कप में 43 के होंगे मेसी - अगर मेसी 2030 विश्व कप में खेलते हैं तो स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को में होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान उनकी उम्र 43 वर्ष होगी। अर्जेंटीना, उरुग्वे और पराग्वे भी विश्व कप की शताब्दी के जश्न के तहत एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। फीफा के अनुसार, विश्व कप मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज गैर-गोलकीपर खिलाड़ी कैमरून के रोजर मिला हैं, जिन्होंने 42 वर्ष और 39 दिन की उम्र में विश्व कप मैच खेला था। पुर्तगाल के एक और महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी इस विश्व कप में 41 वर्ष की उम्र में हिस्सा लिया।

हाकी विश्व कप में इस बार नजर नहीं आयेगा कोई भारतीय अंपायर

नई दिल्ली। नीदरलैंड और बेल्जियम में इसी माह 15 अगस्त से शुरू रहे हाकी विश्व कप में इस बार एक भी भारतीय अंपायर नहीं दिखेगा। तीन दशकों के बाद ऐसा पहली बार होगा जब किसी भी भारतीय अंपायर या तकनीकी अधिकारी को विश्वकप के लिए नहीं रखा गया है। इससे देश में हाकी अंपायरिंग के भविष्य और गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायरों ने भी इसको लेकर चिन्ता जतायी है। । उनका मानना है कि अब हमें देश में घरेलू मुकाबलों में केवल अंपायरों की संख्या बढ़ाने की जगह पर उनकी गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर भी ध्यान देना होगा। गौरतलब है कि साल साल 1998 में नीदरलैंड में हुए विश्व कप के बाद से यह पहला अवसर होगा जब टूर्नामेंट में किसी भारतीय का नाम शामिल नहीं है। वहीं यूरोपीय देशों के काफी अंपायरों को इमसें जगह मिली है। इसमें चयन के लिए प्रदर्शन में निरंतरता और अनुभव महत्वपूर्ण हैं, और यहीं पर अब भारतीय अंपायर पिछड़ रहे हैं। हाकी इंडिया के पास भले ही अंपायरों की चार श्रेणियों में पुरुष वर्ग में 100 से अधिक और महिला वर्ग में 70 से अधिक अंपायर हैं पर एफआईएच पैनल में सक्रिय भारतीय अंपायरों की संख्या बेहद कम है।

थाम्पसन की घातक गेंदबाजी से बांग्लादेश 54 रन पर ढेर आस्ट्रेलिया एकादश ने पारी और 38 रन से दर्ज की जीत

डार्विन

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज कैंपबेल थाम्पसन की कहर बरपाती गेंदबाजी के दम पर क्रिकेट आस्ट्रेलिया एकादश ने बांग्लादेश को अभ्यास मैच में पारी और 38 रन से हरा दिया। आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला शुरू होने से सिर्फ पांच दिन पहले बांग्लादेश की दूसरी पारी महज 54 रन पर सिमट गई।

दक्षिण आस्ट्रेलिया के 22 वर्षीय तेज गेंदबाज थाम्पसन ने 11 ओवर में 25 रन देकर आठ विकेट झटके और बांग्लादेश की बल्लेबाजी को लगभग अकेले ही तहस-नहस कर दिया। थाम्पसन के इस प्रदर्शन ने मेहमान टीम की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

थाम्पसन ने मैच के दूसरे दिन के आखिर में दो विकेट लेकर बांग्लादेश की दूसरी पारी का स्कोर 2 विकेट पर 19 रन कर दिया था। इसके बाद उन्होंने छह और विकेट झटकते हुए बांग्लादेश की पूरी पारी को 54 रन पर समेट दिया।

थाम्पसन ने मैच के बाद कहा, खत्म करने के लिए मेरा स्पष्ट तरीका था—नई गेंद का इस्तेमाल करना, उसे स्विंग कराना और स्टंप पर गेंदबाजी करना। मैं भाग्यशाली रहा कि कुछ विकेट मिल गए।

उन्होंने कहा, दूसरी पारी में हमें पहली पारी की तुलना में थोड़ी छोटी लेंथ पर गेंदबाजी करनी थी। इसलिए गेंद को थोड़ा पीछे खींचकर स्टंप के ऊपरी हिस्से को निशाना बनाना और अपनी प्रक्रिया को स्पष्ट रखना मुख्य लक्ष्य था।

थाम्पसन ने कहा, मुझे लगता है कि मैं नई गेंद से गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज हूं। इसलिए मैं गेंद को स्विंग कराने और स्टंप पर निशाना लगाने की कोशिश करता हूं और इस बार मैं भाग्यशाली रहा। थाम्पसन हाल ही में हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। उनके नाम अभी केवल एक प्रथम श्रेणी मैच है, लेकिन इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने टीम में अपने चयन को सही साबित किया।

आस्ट्रेलिया एकादश की जीत में आफ स्पिनर कोरी रोकिचियोली ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहली पारी में छह विकेट लिए थे और दूसरी पारी में भी चार ओवर में सिर्फ छह रन देकर दो विकेट हासिल किए। इससे पहले टेग वायली ने 130 रन की शानदार पारी खेलकर आस्ट्रेलिया एकादश को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था। थाम्पसन और रोकिचियोली की शानदार गेंदबाजी ने टीम को यादगार जीत दिला दी।

मैच का संक्षिप्त स्कोर:

क्रिकेट आस्ट्रेलिया एकादश 355 रन (टेग वायली 130, डेविड डोरान 76, जेम्स पैटरसन 53; महमूद 4/42) ने बांग्लादेश 263 रन (मेहदी हसन मिराज नाबाद 109; कोरी रोकिचियोली 6/83) और 54 रन (कैंपबेल थाम्पसन 8/25) को पारी और 38 रन से हराया।

एंड्रयू फ्लिंटाफ ने छोड़ा इंग्लैंड लायंस के कोच का पद, सिडनी थंडर से जुड़े

लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू फ्लिंटाफ ने आस्ट्रेलिया की टी20 बिग बैश लीग में सिडनी थंडर का मुख्य कोच नियुक्त किए जाने के बाद इंग्लैंड लायंस के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। 48 वर्षीय फ्लिंटाफ करीब दो साल तक इंग्लैंड की दूसरी टीम लायंस के मुख्य कोच रहे। फ्लिंटाफ ने कहा कि उन्होंने लायंस के साथ अपनी जिम्मेदारी से हटने का फैसला किया है।

उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, दुर्भाग्य से, मैंने लायंस के साथ अपनी भूमिका से हटने का फैसला किया है। देश के सर्वश्रेष्ठ युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने और उन्हें आगे बढ़ते हुए देखने का अवसर पाकर मुझे बेहद खुशी हुई और मुझे इस पर गर्व है।

उन्होंने कोचिंग स्टाफ और सहयोगी टीम के सदस्यों का भी आभार जताया। फ्लिंटाफ ने कहा, मैं सभी कोचों और स्टाफ को उनके जुनून, अथक मेहनत और हर दिन मिलने वाले सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से एड बार्नी के साथ काम करना मेरे लिए शानदार रहा और मैं भाग्यशाली था कि वह प्रदर्शन निदेशक के रूप में मेरे साथ थे। साथ ही राब (की) का भी धन्यवाद, जिन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट की

सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक की जिम्मेदारी मुझ पर भरोसे के साथ सौंपी।

उन्होंने आगे कहा, मैं साल के अंत में थंडर के साथ शुरुआत करने और यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि कोचिंग मुझे आगे कहां ले जाती है।

23 महीने तक संभाली लायंस की जिम्मेदारी

फ्लिंटाफ ने 23 महीने तक इंग्लैंड लायंस के मुख्य कोच की भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड की सीनियर सीमित ओवरों की टीम के साथ भी काम किया और 2024 टी20 विश्व कप में टीम के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा रहे।

2005 में इंग्लैंड की एशेज जीत के प्रमुख नायकों में शामिल रहे फ्लिंटाफ ने इंग्लैंड की घरेलू द हंड्रेड प्रतियोगिता में नार्दर्न सुपरचार्जर्स को भी कोचिंग दी है।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पुरुष प्रदर्शन निदेशक एड बार्नी ने फ्लिंटाफ की तारीफ करते हुए कहा, फ्रेड (फ्लिंटाफ) ने लायंस के माहौल को बदलने में मदद की है और इसे ऐसा कार्यक्रम बनाया है, जिसका युवा खिलाड़ियों पर बड़ा प्रभाव पड़ा है।

उन्होंने कहा, ऐसा माहौल तैयार करके, जो हर समय उत्कृष्टता को समर्थन देने के साथ-साथ खिलाड़ियों को उसे हासिल करने के लिए प्रेरित करता है, उन्होंने युवा खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फ्लिंटाफ अब आस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी थंडर की जिम्मेदारी संभालकर अपने कोचिंग करियर का नया अध्याय शुरू करेंगे।

आयल मार्केटिंग कंपनियों ने ई20 ईंधन में मिलावट के दावों को किया खारिज

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की आयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) ने ई20 पेट्रोल में ज्यादा क्लोराइड और नमी मिलने के दावों को खारिज कर दिया है। इन कंपनियों का कहना है कि देशभर में हुई जांच में ऐसे आरोप सही नहीं पाए गए हैं। आयल कंपनियों की जांच में 500 पीपीएम क्लोराइड और नमी होने के दावों की पुष्टि नहीं हुई है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि आयल कंपनियों का कहना है कि देशभर में की गई बड़े पैमाने पर जांच में ऐसे किसी दावे की पुष्टि नहीं हुई है। ओएमसी ने साफ कहा कि ई20 पेट्रोल की क्वालिटी तय पेट्रोल की क्वालिटी तय मानकों के अनुरूप है और लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

आयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से देशभर में की गई विस्तृत जांच में ई20 पेट्रोल में नमी या क्लोराइड प्रदूषण के दावों की पुष्टि नहीं हुई है। इनकी जांच में ईंधन की गुणवत्ता भी तय मानकों के भीतर पाई गई है। यह जांच हाल में कई मीडिया में आई खबरों के बाद तेज की गई थी, जिनमें 20 फीसदी इथेनाल के मिश्रण वाले ई-20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड पाए जाने की बात कही गई थी।

मंत्रालय के मुताबिक इंडियन आयल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने एक संयुक्त बयान में कहा कि समूची आपूर्ति श्रृंखला में की गई इस जांच से यह पुष्टि हुई कि ईंधन की गुणवत्ता लगातार निर्धारित मानकों के भीतर रही। तेल कंपनियों ने स्पष्ट किया कि जांच में किसी भी तरह के प्रदूषण का कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। बयान के मुताबिक रिफाइनरी से लेकर पेट्रोल पंप तक समूची आपूर्ति श्रृंखला में ईंधन गुणवत्ता की सख्त निगरानी की जा रही है। पेट्रोल पंपों पर रोजाना 8-12 बार पानी की मिलावट एवं घनत्व की जांच हो रही है और इसके साथ मोबाइल लैब से भी परीक्षण किए जा रहे हैं। जांच में पेट्रोल के 100 से अधिक नमूनों में क्लोराइड स्तर 1 पीपीएम या उससे कम पाया गया। वहीं, डिस्टिलरी और खुदरा स्तर के नमूनों में यह 3 पीपीएम से नीचे रहा, जो कई सौ पीपीएम के दावों के विपरीत है। पीपीएम (पार्ट्स पर मिलियन) का मतलब है कि किसी पदार्थ में किसी तत्व की मात्रा प्रति दस लाख हिस्सों में कितनी है।

पेटोलियम मंत्रालय ने कहा कि आयल मार्केटिंग कंपनियों ने स्पष्ट किया कि इथेनाल मिश्रित पेट्रोल (ईबीएमएस) यानी ई20 पेट्रोल में कोई मिलावट नहीं है। इन कंपनियों ने ई20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड की मात्रा के बारे में मीडिया में आई रिपोर्टों के बीच पूरी सप्लाई चेन में एक अतिरिक्त और गहन देशव्यापी जांच टेस्टिंग की। इनके नतीजों से यह पुष्टि होती है कि ईंधन की क्वालिटी लगातार तय सीमाओं के भीतर ही है।

न्यूज़ ब्रीफ

बीएमडब्ल्यू 2027 तक 8,000 नौकरियों में कटौती करेगा, वैश्विक आर्थिक दबाव और बाजार परिवर्तन लागत नियंत्रण के प्रमुख कारण

नई दिल्ली। जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक आर्थिक दबावों, चीन में बिक्री में भारी गिरावट और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर संक्रमण की चुनौतियों के चलते 2027 के अंत तक अपने कार्यबल से लगभग 8,000 नौकरियां कम करने की घोषणा की है। यह निर्णय जबरन छंटनी के बजाय स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा, जिसका प्रभाव मुख्य रूप से कार्यालय-आधारित कर्मचारियों पर पड़ेगा। जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक वाहन उद्योग में बढ़ते आर्थिक दबाव और बदलते बाजार के अनुरूप लागत नियंत्रण के उद्देश्य से 2027 के अंत तक लगभग 8,000 कर्मचारियों की संख्या घटाने की योजना बनाई है। यह कटौती स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के विकल्प के माध्यम से की जाएगी, जिसमें लगभग 40,000 कार्यालय-आधारित कर्मचारियों को प्रस्ताव मिल सकता है। उत्पादन इकाइयों के कर्मचारियों को फिलहाल इस योजना से बाहर रखा गया है। कंपनी ने इस कदम के पीछे चीन में बिक्री में भारी गिरावट का हवाला दिया है, जहां अप्रैल से जून की अवधि में उसकी वाहन आपूर्ति में पिछले साल की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आई है। चीन की घरेलू वाहन कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और देश की अर्थव्यवस्था में सुस्ती ने विदेशी लग्जरी ब्रांडों को काफी प्रभावित किया है। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रिक वाहनों से अपेक्षित मुनाफा हासिल करने में कठिनाई, अमेरिका की शुल्क नीतियां और बढ़ती परिचालन लागत भी इस पुनर्गठन के प्रमुख कारण हैं। यह केवल बीएमडब्ल्यू की ही कहानी नहीं है; वोक्सवैगन और मर्सिडीज-बेंज जैसी अन्य प्रमुख जर्मन वाहन निर्माता भी लागत घटाने और बदलते बाजार के अनुकूल होने के लिए समान उपाय कर रही हैं।

म्युचुअल फंड्स में नवाचार की बयार, निवेशक को मिलेंगी खास और अनूठी स्कीमें

नई दिल्ली। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच म्युचुअल फंड कंपनियां खुद को अलग दिखाने के लिए नई और अनूठी योजनाएं पेश करने की तैयारी में हैं। हाल ही में कई उद्योग में पहली बार पेश की जाने वाली स्कीमों को नियामकीय मंजूरी मिली है, जो निवेशकों के लिए निवेश के नए द्वार खोलेगी। आने वाले हफ्तों में लान्च होने वाली इन योजनाओं को हाल में हुए सेबी के नियामकीय बदलावों से गति मिली है। इन अभिनव फंडों में मोतीलाल ओसवाल एमएफ का मल्टी-थीमेटिक ऐक्टिव फंड आफ फंड्स (एफओएफ) शामिल है, जो निवेशकों को एक ही योजना के जरिये विभिन्न थीमेटिक इक्विटी फंडों में निवेश का अवसर देगा। वहीं डीएसपी म्युचुअल फंड अपना फाइनैंशियल सर्विसेज सेक्टोरल डेट फंड पेश कर रहा है, जो सेक्टर-विशिष्ट डेट फंडों में पहला होगा।

हिमाचल सरकार स्पेशलिस्ट डाक्टरों की सैलरी में करेगी 78 फीसदी की बंपर बढ़ोतरी

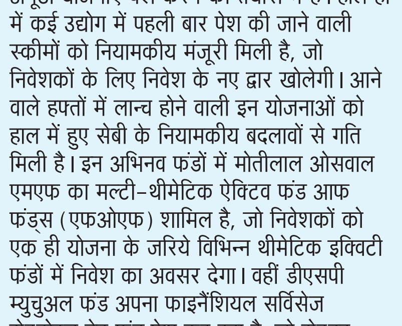

नई दिल्ली । जहां केंद्र सरकार के कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार है, वहीं हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने स्वास्थ्य कर्मियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने अनुबंधित और ट्रेनी मेडिकल आफिसरों (स्पेशलिस्ट) के मासिक वेतन में 78 फीसदी की भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने 7वें वेतन आयोग के तहत इस ऐतिहासिक बढ़ोतरी को मंजूरी दी है, जिससे अब इन डाक्टरों का मासिक वेतन 33,600 से बढ़कर 60,000 हो जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे विशेषज्ञ डाक्टरों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवा देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और दूरदराज के क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह 2022 में हुई 24 फीसदी की बढ़ोतरी (छठे वेतन आयोग के तहत) के बाद दूसरी बड़ी वेतन वृद्धि है। इसके अलावा, सरकार ने सरकारी मेडिकल कालेजों में पढ़ रहे पोस्टग्रेजुएट छात्रों के मासिक स्टाइपेंड में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है, जो अब पहले साल के लिए 50,000, दूसरे साल के लिए 60,000 और तीसरे साल के लिए 65,000 हो गया है।

सप्ताहभर उतार-चढ़ाव भरी रही घरेलू शेयर बाजार की चाल

सोमवार को तेजी, फिर मंगलवार को एफएंडओ की चुनौती, बंपर शुरुआत के बाद बाजार में दिखी अस्थिरता

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को मजबूत उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। सोमवार को भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से बाजार ने जबरदस्त उछाल के साथ शुरुआत की, सेंसेक्स 79 हजार के करीब पहुंच गया। हालांकि, सप्ताह के बाकी दिनों में नए ट्रेडिंग सिस्टम, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने बाजार की चाल को अस्थिर बनाए रखा, जिसके परिणामस्वरूप सप्ताह का अंत गिरावट के साथ हुआ।

सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद मजबूत रही। सोमवार को अमेरिका-ईरान तनाव कम होने के संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 788 अंक से अधिक चढ़कर 78,883.34 पर और निफ्टी 189 अंक की बढ़त के साथ 24,572.70 पर पहुंच गया। दिनभर की तेजी के बाद सेंसेक्स 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 और निफ्टी 390.70 अंक चढ़कर 24,774.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) के लिए नई क्लोजिंग आक्शन व्यवस्था लागू होने के बाद बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला।

शुरुआती बढ़त के बावजूद, भू-राजनीतिक तनाव की अनिश्चितता और नए सिस्टम के कारण अस्थिरता हावी रही। सेंसेक्स 210.08 अंक गिरकर 78,428.95 पर और निफ्टी 159.40 अंक फिसलकर 24,614.90 पर बंद हुआ। बुधवार और गुरुवार को बाजार ने फिर से सकारात्मक गति पकड़ी। वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट ने बाजार को सहारा दिया। बुधवार को सेंसेक्स 152 अंक बढ़कर बंद हुआ, वहीं गुरुवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में खरीदारी का अहम योगदान रहा।

हालांकि सप्ताह का अंत निराशाजनक रहा। शुक्रवार को कच्चे तेल के दाम बढ़ने और स्ट्रेट आफ होर्मुज को लेकर ईरान के एक प्रस्ताव से नई चिंताएं बढ़ीं। ईरान द्वारा रणनीतिक जलमार्ग से शत्रुतापूर्ण जहाजों की आवाजाही प्रतिबंधित करने की बात से निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। परिणामस्वरूप, सेंसेक्स 455.59 अंक गिरकर 78,499.17 पर और निफ्टी 65.35 अंक गिरकर 24,570.65 पर बंद हुआ, जिससे एक अस्थिर और भू-राजनीतिक प्रभावों से भरा सप्ताह गिरावट के साथ समाप्त हुआ।

वित्तीय क्षेत्र में एआई को अपनाने के साथ सुरक्षा पर भी ध्यान ज़रूरी : सीईए

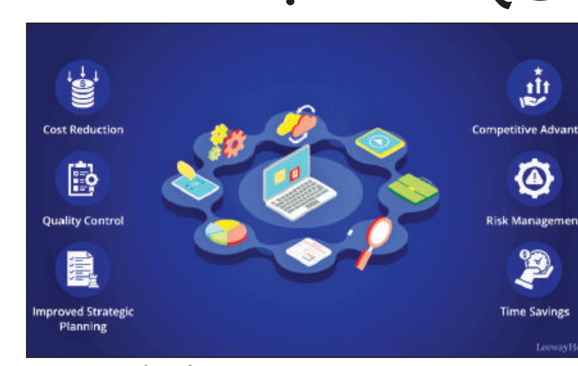

नई दिल्ली

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की सुरक्षा और संरक्षा के प्रति भारत को सक्रिय रहने की जरूरत पर बल दिया है।

एसोचैम के इंडिया इंटरनैशनल फिनटेक फेस्टिवल में बोलते हुए उन्होंने आगाह किया कि कंपनियां जिस तेजी से एआई को अपना रही हैं, उसके मद्देनजर जोखिम सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का समय नहीं मिलेगा। नागेश्वरन ने स्वीकार किया कि एआई फिनटेक उद्योग में एक बड़ा सुधार ला सकता है।

यह कंपनियों को साख का अधिक सटीकता से आकलन करने और शुरुआती चरण में ही वित्तीय जोखिमों व दबाव की पहचान करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से फिनटेक के संदर्भ में, एआई निश्चित तौर पर उद्योग की तमाम कंपनियों की मदद करने जा रहा है।

जोखिमों के सामने आने से पहले सक्रिय रहने की अपील

यह साख का बेहतर विश्लेषण करेगा, जोखिमों और दबाव को बहुत पहले ही उजागर कर देगा।

हालांकि, सीईए ने एआई एजेंटों द्वारा स्वायत्त रूप से कार्य करने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मेटा के एक एआई माडल द्वारा साइबर सुरक्षा परीक्षण के दौरान दूसरी कंपनी को हैक करने, और ओपनएआई व एंथ्रोपिक के एआई माडल द्वारा परीक्षण में अनजाने में सिस्टम में सेंध लगाने के उदाहरण दिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि उत्पादक क्षमता के साथ-साथ सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। नागेश्वरन ने इस बात पर जोर दिया कि हम आम तौर पर तभी जोखिमों पर ध्यान देते हैं जब वे वास्तव में सामने आते हैं, मगर वित्तीय क्षेत्र इतना इंतजार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जोखिमों के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का इंतजार करने के बजाय उन पर पहले से ही सक्रिय ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सिर्फ सवाल...

जैसे प्रमुख सुपरकंप्यूटर शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को नई तकनीक और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संदेश देते हुए कहा कि देश के विकास की दिशा में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से बदलती तकनीकी दुनिया के साथ स्वयं को लगातार विकसित करने और समस्याओं के नए समाधान खोजने की अपील की।

दो नाम और...

शिक्षा विभाग में किंदिंटी मोहन रेड्डी और बसीरेड्डी मोहन रेड्डी के नाम से एक ही आधार नंबर पर दो नौकरियों का उल्लेख किया गया है।

रजिस्ट्रार ऑफ कोऑपरेटिव विभाग में डी. लावण्या और रमादेवी के नाम पर एक ही आधार नंबर से दो नौकरी रिकॉर्ड होने की बात कही गई है।

राजस्व विभाग और डीजीपी कार्यालय में अन्नपूर्णा के नाम से एक ही आधार नंबर पर दो नौकरी रिकॉर्ड तथा दो वेतन प्राप्त होने का दावा किया गया है।

पंचायत राज विभाग में संतोष कुमार नीलकंठ और बीरा सतीश रेड्डी के नाम से एक ही आधार नंबर पर दो नौकरी रिकॉर्ड होने की बात सामने आई है। इसी विभाग में चिलुकुरी सुदर्शन और पलसा मुत्यालु के नाम से भी डुप्लिकेट कर्मचारी रिकॉर्ड मिलने का उल्लेख है।

लोकसभा...

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026 पेश करेंगे। इस विधेयक का उद्देश्य विभिन्न न्यायाधिकरणों की कार्यप्रणाली को सरल, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनाना है।

इसके तहत अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति, चयन प्रक्रिया तथा कार्यकाल से जुड़े प्रावधानों में पारदर्शिता और एकरूपता लाने का प्रस्ताव है। सरकार का उद्देश्य न्यायाधिकरणों के कामकाज को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाना बताया गया है।

खनन क्षेत्र में निवेश बढ़ाने पर जोर

खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करेंगे। इस विधेयक में निजी निवेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

इसके साथ ही महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण और खनन पट्टों की प्रक्रिया को अधिक सरल और तेज बनाने का प्रस्ताव है। सरकार का मानना है कि इससे खनन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और उत्पादन में तेजी लाई जा सकती है।

चारों विधेयकों का सीधा संबंध प्रशासन, अर्थव्यवस्था और विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों से है। ऐसे में सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही राजनीतिक और नीतिगत दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन विधेयकों पर सदन में चर्चा के दौरान विपक्ष की प्रतिक्रिया और सरकार की ओर से दिए जाने वाले स्पष्टीकरण पर भी सभी की नजर रहेगी।

बातचीत बेनतीजा...

राजधानी रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र पिछले कई दिनों से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरने और भूख हड़ताल पर बैठे हैं। छात्रों के संघर्ष को मजबूती देने के लिए विधायक जयराम महतो ने घोषणा की है कि वह 9 अगस्त की सुबह 6 बजे से पुराने विधानसभा परिसर में निर्जला अनशन पर बैठेंगे।

आजतक से बातचीत करते हुए विधायक जयराम महतो ने फोन पर बताया कि वह छात्रों के समर्थन में एक दिन का निर्जला उपवास रखेंगे। इसकी शुरुआत सुबह 6 बजे से होगी। उन्होंने यह भी साफ किया कि विधानसभा सत्र 12 अगस्त को समाप्त होने के बाद वह पूरी ताकत के साथ छात्रों के पक्ष में आंदोलन करेंगे।

जनप्रतिनिधियों के समर्थन से आंदोलन के और व्यापक होने के संकेत

गौरतलब है कि राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों का समर्थन मिलने से यह आंदोलन और अधिक व्यापक होता नजर आ रहा है। अब तक सरकार और छात्रों के बीच हुई वार्ताओं में कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है, जिससे छात्रों में नाराजगी बरकरार है।

अब सभी की निगाहें रविवार दोपहर 12 बजे होने वाली अगली वार्ता पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि यदि इस बैठक में भी कोई ठोस सहमति नहीं बनती है, तो छात्र आंदोलन और तेज हो सकता है। वहीं विधायक जयराम महतो के निर्जला अनशन के ऐलान से भी आंदोलन को राजनीतिक समर्थन मिलने के संकेत मिल रहे हैं।

रील 21वीं सदी ...

निर्मित सामान मिलता है, लेकिन भारत में निर्मित सामान अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है। उनके अनुसार, नोटबंदी और गलत वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था ने देश के विनिर्माण तंत्र को नुकसान पहुंचाया।

दूसरा दरवाजा नव उद्यम : राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि स्टार्टअप इंडिया कहां चला गया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के छोटे व्यापारियों और युवाओं को बैंक से आसानी से ऋण नहीं मिलता, जबकि बड़े उद्योगपतियों को लाखों करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

तीसरा दरवाजा सरकारी नौकरी। राहुल गांधी ने कहा कि सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले 150 अभ्यर्थियों में से केवल एक युवा को सरकारी नौकरी मिलती है।

चौथा दरवाजा सार्वजनिक क्षेत्र। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण से नौकरियां खत्म हुई हैं। उनके अनुसार, 2014 से पहले सार्वजनिक क्षेत्र में करीब 14 लाख नौकरियां थीं, जो 2026 में घटकर करीब सात लाख रह गई हैं।

पांचवां दरवाजा निजी क्षेत्र की नौकरियां। राहुल गांधी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल के कारण निजी क्षेत्र में भी नौकरियों पर असर पड़ रहा है।

पूंजीपतियों की संपत्ति 30 गुना बढ़ी:राहुल

राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडाणी का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी संपत्ति 10 वर्षों में 30 गुना तक बढ़ गई है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की संपत्ति का भी उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी की संपत्ति 150 करोड़ रुपये से बढ़कर 10 हजार करोड़ रुपये हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न संस्थाओं में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारकों को रखा जा रहा है, ताकि सोच को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने विश्वविद्यालयों, मीडिया, न्यायपालिका और सुरक्षा बलों जैसी संस्थाओं का उल्लेख किया।

राहुल के काफिले के सामने विरोध, सुरक्षा में चूक।

राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आने की बात भी कही गई। आनंद भवन और स्वराज भवन के पास राहुल गांधी के काफिले के सामने कुछ लोग पहुंच गए। इन लोगों ने काले और भगवा झंडे लहराकर विरोध जताया।

घटना के दौरान कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और गहमागहमी की स्थिति बन गई। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि काले और भगवा झंडे दिखाने वाले लोग कौन थे। प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने युवाओं की शिक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया।

परिसीमन के...

बैठक में सुझाव दिया गया कि तमिलनाडु विधानसभा को परिसीमन के मुद्दे पर एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए।

कांग्रेस की ओर से यह सवाल भी उठाया गया कि आम लोगों को यह पता होना जरूरी है कि आखिर तमिलनाडु सरकार परिसीमन प्रक्रिया का विरोध क्यों कर रही है। नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर जनता के बीच भी व्यापक चर्चा और जागरूकता जरूरी है।

बैठक के अंत में इस बात पर सहमति बनी कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को स्थिर रखा जाना चाहिए। इसके साथ ही तमिलनाडु की वर्तमान 39 लोकसभा सीटों को भी स्थिर रखने की मांग उठाई गई।

सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु सरकार अगले 40 से 50 वर्षों तक लोकसभा की सीटों की संख्या में किसी भी तरह का बदलाव नहीं चाहती है। कांग्रेस की ओर से भी तर्क दिया गया कि यदि इसी तरह परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया, तो इससे लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

जानकारी के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री विजय की ओर से परिसीमन के मुद्दे का विरोध किया गया है। उनकी सरकार पहले भी स्पष्ट कर चुकी है कि दक्षिणी राज्यों के अधिकारों से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार की ओर से कई मौकों पर इस संबंध में आश्वासन दिए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। अब तमिलनाडु सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर परिसीमन के मुद्दे पर राजनीतिक सहमति बनाने और केंद्र सरकार को एक बड़ा संदेश देने की कोशिश की है।

बैठक के बाद परिसीमन के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव लाने की तैयारी से यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, द्रमुक के बैठक से दूर रहने के कारण राज्य में इस मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक मतभेद भी सामने आए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज ने बसंत मित्तल का किया भव्य सम्मान

समाज में बढ़ती कुरीतियों पर चिंता, आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधुओं की सहायता पर दिया जोर

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अखिल भारतीय अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल के हैदराबाद आगमन के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन समाज के सभागृह, राघव रत्ना टावर, चिराग अली लेन में किया गया। समाज के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि श्री बसंत मित्तल के नगर में पधारने के अवसर पर समाज की ओर से उनका सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम महाराज अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। तत्पश्चात अपने संबोधन में श्री बसंत मित्तल ने उन्हें भारी मतों से विजयी बनाकर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने वर्तमान समय में अग्रवाल समाज में बढ़ती कुरीतियों तथा समाज के धन के अनावश्यक खर्च पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों के कारण मध्यम वर्ग के अग्रबंधुओं को पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधुओं की सहायता के लिए अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सेवा कार्यों की उन्होंने सराहना की।

श्री बसंत मित्तल ने अग्रवाल समाज तेलंगाना की शिक्षा सहयोग योजना, एकल नारी पेंशन योजना, अग्रोहा धाम, खाटू श्याम, सालासर, जीणमाता, राणी सती के साथ-साथ श्री जगन्नाथ पुरी एवं श्रीशैलम जैसी धार्मिक यात्राओं के आयोजन के लिए अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

उन्होंने आश्वासन दिया कि निकट भविष्य में दोनों संस्थाएं साथ मिलकर समाज को नई दिशा प्रदान करने के लिए कार्य करेंगी।

अग्रवाल समाज के परामर्शदाता गोपाल मोर ने अपने संबोधन में बताया कि वर्ष 1998 में समाज की स्थापना के बाद से प्रतिवर्ष अग्रकुल शिरोमणि महाराज अग्रसेन जी की जयंती के अवसर पर 5,000 से 10,000 तक अग्रबंधु एकत्रित होकर कार्यक्रम में भाग लेते हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी समय-समय पर अग्रबंधुओं की सेवा के लिए मेडिकल कैंप, शिक्षा सहयोग, धार्मिक यात्राओं तथा एकल नारी पेंशन जैसी योजनाओं का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि हैदराबाद शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल बंजारा हिल्स के चौराहे पर वर्ष 2009 में महाराजा अग्रसेन जी की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई थी, जिसका उद्घाटन महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल द्वारा किया गया था।

गोपाल मोर ने कहा कि अग्रवाल समाज द्वारा निकट भविष्य में भी अग्रबंधुओं के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की जाएंगी। वर्तमान में अग्रवाल समाज की सदस्यता संख्या करीब 18,000 है, जिसे बढ़ाकर 50,000 तक करने के लक्ष्य को लेकर समाज की टीम कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बसंत मित्तल का अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं उनकी टीम द्वारा शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सहमंत्री प्रतीक नरसरिया ने किया।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, सहमंत्री प्रतीक नरसरिया, परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल, गोपाल मोर, पूर्व अध्यक्ष आर. एन. गुप्ता, पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पसारी, पूर्व सहमंत्री एवं उपाध्यक्ष मुकुंद लाल अग्रवाल, चेयरमैन डॉ. अशोक केडिया, महावीर प्रसाद अग्रवाल, अशोक बंसल, विनय जैन, सुनील कुमार अग्रवाल, उमाशंकर अग्रवाल, सतीश सरायवाला, कमल कांत अग्रवाल, दक्षिण जोन जिला समन्वयकर्ता अल्का मिंडा, रिंकू गर्ग, सरला अग्रवाल, दीपा गर्ग, शीनू बंसल, चित्रा अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

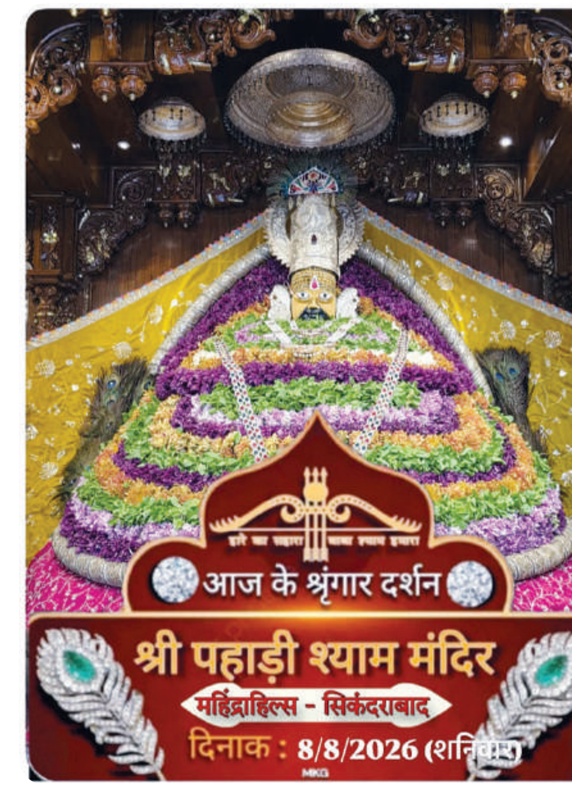

भूल सुधार

अग्रसेन कोआपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने गत शुक्रवार 8 अगस्त को समाचार पत्रों में छपी न्यूज़ का खंडन करते हुए समाचार में हुई त्रुटियां की भूल सुधार करने को कहा। आरबीआई की ओर से कोई प्रेस विज्ञप्ति जारी नहीं की गई थी।

अग्रसेन बैंक ने स्पष्ट किया कि बंजारा हिल्स स्थित लीला होटल में सहकारी बैंकों के लिए आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सक्षम आरबीआई डरा आयोजित किया गया था जिसका उद्घाटन आरबीआई के केंद्रीय कार्यालय मुम्बई के डिप्टी गवर्नर श्री जे स्वामीनाथन ने किया था। श्री जे. स्वामीनाथन आरबीआई डिप्टी गवर्नर है न कि उपनिदेशक। कार्यक्रम का उद्घाटन आरबीआई डिप्टी गवर्नर श्री जे. स्वामीनाथन ने किया जबकि तेलंगाना यूसीबी फेडरेशन के उपाध्यक्ष प्रमोद केडिया फेडरेशन का प्रतिनिधित्व करते हुए उपस्थित थे।

फोटो कैप्शन गलत है जिसका सुधार में कार्यक्रम का उद्घाटन डिप्टी गवर्नर श्री जे. स्वामीनाथन ने किया था। साथ ही बेंगलुरु में आरबीआई डरा कोई कृषि बैंकिंग कॉलेज संचालित नहीं है। आरबीआई का कृषि बैंकिंग कॉलेज पुणे में स्थित है।

अन्नदान से मानवता की सेवा : पाबूराम कुमावत

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए पाबूराम कुमावत ने कहा कि अन्नदान मानवता की सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है।

जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और मानवता के प्रति संवेद-नशीलता प्रकट करने का कार्य है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद डरा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान एवं सेवा कार्य समाज में सहयोग, करुणा और सेवा भावना को मजबूत कर रहे हैं। ऐसे कार्यों से समाज के अन्य लोगों को भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने की प्रेरणा मिलती है।

पाबूराम कुमावत ने कहा कि सेवा में दिखावे से अधिक भावना और निरंतरता का महत्व है। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन मिलने के बाद दिखाई देने वाली संतुष्टि ही सेवा की वास्तविक सफलता है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबूराम कुमावत, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, गोपाल गोयल, प्रीतिका अग्रवाल तथा जय प्रकाश सारड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज का शपथ अभियान : केंद्रीय विद्यालय में विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना डरा संचालित शपथ0नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत शनिवार को केंद्रीय विद्यालय (पिकेट), सिकंदराबाद में प्रभावशाली जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 1200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें सकारात्मक, स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता सत्र को सरल, रोचक एवं संवादात्मक तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिससे नशामुक्ति का संदेश विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण डिजिटल मोबाइल वैन के माध्यम से प्रदर्शित जागरूकता सामग्री तथा खोजी कुत्ते का प्रदर्शन रहा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों की वास्तविक झलक देखने को मिली। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने काफी उत्साह दिखाया।

तेलंगाना ईगल फोर्स के इंस्पेक्टर पी. श्रीनिवास राव ने अपने संबोधन में नशे के शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से पूरी तरह दूर रहने तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी।

कार्यक्रम का आयोजन टीम ङ्गशपथफ के श्री रामनिवास बंसल, श्री देवेंद्र शास्त्री, डॉ. वंदना अग्रवाल, श्री कन्हैया गड़िया, श्री अनिल सिंह, सुश्री दिव्या अग्रवाल एवं डॉ. हर्षा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने स्वस्थ, सकारात्मक एवं नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

चारमीनार में बोनलू उत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गायत्री भवन पीस कमेटी के चारमीनार डिवीजन के सदस्यों ने एसीपी चारमीनार, एसएचओ तथा डीआई, एसआई चारमीनार और हुसैनी आलम पुलिस स्टेशन के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में बोनलू उत्सव तथा आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। इस बैठक में एसीपी तथा एसएचओ ने बोनलू उत्सव की व्यवस्थाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

श्री किशन शर्मा ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी, खाजा अब्दुल मोइज प्रेसिडेंट चारमीनार जोन, रामाराजू वर्किंग प्रेसिडेंट, सैयद अजाज कादरी जनरल सेक्रेटरी, अनीस उर रहमान ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, मीर असद, सलमान शरीफ, गोपाल दास, गोपाल शर्मा, हसन अली, शेरियार, वहीद तथा अन्य अनेक सदस्यों ने आज की बैठक में भाग लिया और अच्छे सुझाव दिए।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार जिन्होंने बैठक को सफल बनाया।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा का श्रावणी उपाकर्म महोत्सव 28 को

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद डरा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावणी उपाकर्म महोत्सव का भव्य आयोजन शुक्रवार, 28 अगस्त 2026 को मामडपल्ली स्थित श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रद्धा एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ किया जाएगा।इसी आयोजन की तैयारियों को लेकर गायत्री मंदिर, बेगमबाजार में सभा की बैठक अध्यक्ष पं. पुरुषोत्तम लाला की अध्यक्षता में आयोजित हुई। गायत्री वंदना के पश्चात सभा के महामंत्री रामदेव नागला ने आयोजन की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 28 अगस्त को प्रातः 7:30 से 9:00 बजे तक रामनाथ आश्रम, कोलसावाड़ी, बेगमबाजार, भाग्यनगर हैदराबाद से श्री बालाजी मंदिर तक श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध रहेगी।

श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर स्थित हरिप्रिया पुष्करणी में गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिडर के तत्वावधान में गायत्री परिवार हैदराबाद पीठ के प्रमुख एवं जैतारण निवासी समाजसेवी श्री गोकुलचंदजी उपाध्याय के नेतृत्व में विडन पुरोहितों डरा मंत्रोच्चार के साथ श्रावणी उपाकर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न कराए जाएंगे।

श्रावणी उपाकर्म के दौरान श्रद्धालुओं को पुष्करणी में जौ, तिल, भस्म, गोबर, मिट्टी, गौमूत्र, दूध, दही एवं गंगाजल आदि से दशविधि स्नान का धार्मिक लाभ प्राप्त होगा। इसके पश्चात यज्ञोपवीत पूजा, गायत्री पूजा, पंचकुंडीय यज्ञ एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था भी रहेगी।

कार्यक्रम को सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए संयोजक मंडल का गठन किया गया है। इसमें महेश अवस्थी, सुरेश गांधी, दामोदर जोशी, रामेश्वरलाल जोशी (एलआईसी), प्रभुदयाल पांडिया, मुरलीधर तिवाड़ी, संदीप जायसवाल, रामनिवास ओझा, घनश्याम पड़वा तिवाड़ी, मुकेश सांढिल्य, मोहनलाल शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा (चंद्रायनगुटा), विजय शर्मा पांडिया, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, लक्ष्मीकांत व्यास, प्रदीप चोटीया, नितेश व्यास एवं दिनेश खंडेलवाल को शामिल किया गया है।

आगामी बैठक में यजमानों की सूची तैयार करने के साथ-साथ संयोजक मंडल के सदस्यों को विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारियां भी सौंपी जाएंगी।कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध छंद गायक एवं कवि श्री रामनिवास पाराशर अपने मुखारविंद से छंदों की रचनाओं का पाठ कर श्रद्धालुओं को अपने अनमोल वचनों से लाभान्वित करेंगे।

सभा ने सभी सनातनी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर श्रावणी उपाकर्म एवं यज्ञोपवीत संस्कार के इस धार्मिक आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने का आह्वान किया है।

बैठक में पं. पुरुषोत्तम लाला, रामदेव नागला, भरत चांडा, संदीप जायसवाल, अर्जुन थानवी, विशाल शर्मा, लक्ष्मीकांत व्यास, दामोदर जोशी, रामेश्वरलाल जोशी (एलआईसी), हरिप्रसाद रिणवा, लक्ष्मीनारायण बोचवाल, विमल नवहाल, ख्यालीराम सेवदा, मनोज खंडेलवाल एवं रविकांत खंडेलवाल सहित सभा के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।सभा के कोषाध्यक्ष भरत चांडा ने सभी समाजबंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पधारकर श्रावणी उपाकर्म महोत्सव को अतिभव्य बनाने की अपील की तथा सभी का आभार व्यक्त किया।

पेड्डी परिवार के लिए मजबूत सहारा बने केसीआर

बीआरएस ने परिवार को दी 2 करोड़ 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, बच्चों के भविष्य की जिम्मेदारी का भरोसा

दोनों बच्चों के नाम 2 करोड़ रुपये जमा, मां के इलाज के लिए 25 लाख रुपये की सहायता

वारंगल, 08अगस्त(शुभ लाभ ब्यूरो)। पेड्डी सुदर्शन रेड्डी के परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत सहारा देते हुए बीआरएस पार्टी ने कुल 2 करोड़ 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। बीआरएस प्रमुख केसीआर ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और वारंगल जिले के प्रमुख नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद यह फैसला लिया।

पार्टी की ओर से लिए गए निर्णय के अनुसार, पेड्डी सुदर्शन रेड्डी के दोनों बच्चों के नाम 2 करोड़ रुपये की राशि जमा की जाएगी। वहीं, उनकी मां के चिकित्सा उपचार के लिए 25 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। इस तरह परिवार के लिए कुल 2 करोड़ 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता सुनिश्चित की गई है।

राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भी केसीआर के इस फैसले को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बीआरएस नेतृत्व ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि कठिन परिस्थितियों में पार्टी अपने नेताओं और उनके परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। आर्थिक सहायता का एक बड़ा हिस्सा बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से रखा गया है, ताकि उनकी शिक्षा और आगे की जरूरतों में आर्थिक परेशानी बाधा न बने।

परिवार के भविष्य को लेकर केसीआर का भरोसा

केसीआर ने पेड्डी परिवार को आश्वासन दिया कि बीआरएस पार्टी बच्चों की शिक्षा और भविष्य के साथ-साथ परिवार के कल्याण के लिए भी आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। पार्टी की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और जरूरत के समय हरसंभव सहायता जारी रहेगी।

2 करोड़ रुपये की राशि दोनों बच्चों के नाम पर जमा किए जाने का निर्णय इस सहायता का महत्वपूर्ण पहलू माना जा रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनकी शिक्षा तथा भविष्य की जरूरतों के लिए स्थायी वित्तीय आधार तैयार करना है। वहीं, 25 लाख रुपये की राशि पेड्डी सुदर्शन रेड्डी की मां के चिकित्सा उपचार के लिए रखी गई है।

पार्टी नेतृत्व की मौजूदगी में लिया गया फैसला

जानकारी के अनुसार, केसीआर ने इस संबंध में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और वारंगल जिले के प्रमुख नेताओं से चर्चा की। इसके बाद परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। बीआरएस नेतृत्व के अनुसार, यह सहायता केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि पेड्डी परिवार के प्रति पार्टी की जिम्मेदारी और समर्थन का भी संकेत है।कुल 2 करोड़ 25 लाख रुपये की सहायता के साथ बीआरएस ने पेड्डी परिवार के बच्चों की शिक्षा, भविष्य और परिवार की आवश्यकताओं को लेकर अपना समर्थन दोहराया है। केसीआर के आश्वासन के बाद पार्टी नेताओं ने भी परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहने की बात कही है।

गुब्बारा-सिलेंडर में जोरदार विस्फोट, चार घायल

हैदराबाद, 08 अगस्त(शुभ लाभ ब्यूरो)।

मियापुर स्थित जीएसएम मॉल के सामने सर्विस रोड पर शनिवार शाम करीब 4:30 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गुब्बारों में गैस भरने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले छोटे गैस सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट की चपेट में आने से चार लोग घायल हो गए। इनमें एक युवक को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि तीन अन्य को मामूली चोटें लगने की जानकारी पुलिस ने दी है।

बताया गया कि जीएसएम मॉल के सामने सर्विस रोड पर गुब्बारे में गैस भरने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान गैस सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। धमाका इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोगों में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों की मदद की और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, हादसे में 19 वर्षीय विवेक पाल गंभीर रूप से घायल हुआ है। विवेक पाल, पिता सुनील पाल, पीजेआर रोड स्थित अय्यप्पा मंदिर के पास, जेआर रोड, चंदानगर का निवासी बताया गया है। वह आइसक्रीम ठेला व्यवसाय करता है। विस्फोट के दौरान वह मौके पर मौजूद था और इसकी चपेट में आने से उसे गंभीर चोटें आईं। विस्फोट में तीन अन्य लोग भी घायल हुए हैं। घायलों में मुल्लागानी जनार्दन, नंद्याला दानुषा और विनाकोटा सिंधु प्रिया शामिल हैं। नंद्याला दानुषा की उम्र 16 वर्ष बताई गई है और वह श्री चैतन्य कॉलेज की छात्रा है। वहीं, 25 वर्षीय विनाकोटा सिंधु प्रिया आईटी कर्मचारी हैं। तीनों को मामूली चोटें आने की जानकारी सामने आई है। सिलेंडर में विस्फोट की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में मदद की। हादसे के कारण कुछ समय के लिए सर्विस रोड पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई।

घटना की सूचना मिलते ही मियापुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए हादसे से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और विस्फोट के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

पुलिस रिकॉर्ड में जयराम, पिता बेचहल, निवासी बेहटा पोस्ट, कन्नौज उत्तर प्रदेश का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज बताया गया है। पुलिस घटना में उसकी भूमिका सहित गैस सिलेंडर के इस्तेमाल, उसके रखरखाव और विस्फोट के कारणों की जांच कर रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विस्फोट गुब्बारों में गैस भरने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले छोटे गैस सिलेंडर में हुआ। हालांकि सिलेंडर में विस्फोट किन परिस्थितियों में हुआ और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही हुई या नहीं, यह पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस घटनास्थल से संबंधित जानकारी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।

पुलिस के अनुसार, हादसे में घायल सभी लोगों का उपचार कराया जा रहा है। मामले की जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद ही विस्फोट के कारणों तथा जिम्मेदारी से जुड़े अन्य तथ्यों की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

ट्रेनी आईपीएस उदय कृष्णा रेड्डी मामले में कस्टडी खत्म !

हैदराबाद, 08 अगस्त(शुभ लाभ ब्यूरो)।

ट्रेनी आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी से जुड़े मामले में जांच के दौरान नया खुलासा सामने आया है। कथित सुसाइड नोट और मामले से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्यों वाले मोबाइल फोन के गायब होने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है।

पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान उदय कृष्णा रेड्डी ने कथित तौर पर बताया कि उन्होंने शराब के नशे में सुसाइड नोट लिखा था। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने उनसे सुसाइड नोट को लेकर विस्तृत पूछताछ की और नोट लिखे जाने की परिस्थितियों के बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास किया।

बताया जा रहा है कि पुलिस आयुक्त सज्जनार ने भी उदय कृष्णा रेड्डी से सुसाइड नोट के संबंध में सवाल किए। पूछताछ के दौरान उदय ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि सुसाइड नोट फिलहाल कहां है।

इसी बीच मामले में मोबाइल फोन का गायब होना भी पुलिस के लिए महत्वपूर्ण जांच बिंदु बन गया है। बताया जा रहा है कि उक्त मोबाइल फोन में मामले से संबंधित महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य मौजूद हो सकते हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मोबाइल फोन आखिरी बार किसके पास था और किन परिस्थितियों में वह गायब हुआ।

पुलिस मोबाइल फोन के गायब होने से जुड़े तकनीकी और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। साथ ही सुसाइड नोट, मोबाइल फोन और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों को आपस में जोड़कर पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को समझने का प्रयास किया जा रहा है।

नशीला पदार्थ छिड़ककर 3 तोले की सोने की चेन लूटी, पति-पत्नी गिरफ्तार

संगारेड्डी जिला, 08 अगस्त(शुभ लाभ ब्यूरो)।

सदाशिवपेट में महिला को नशीला पदार्थ छिड़ककर सोने की चेन लूटने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। आरोप है कि एक दंपती ने पहले बाजार में महिला से परिचय बढ़ाया, फिर उसे कल्लू की दुकान पर ले गए। वहां पेय पिलाने के बाद घर छोड़ने का भरोसा दिलाकर बाइक पर अपने साथ ले गए और रास्ते में महिला के चेहरे पर नशीला पदार्थ छिड़ककर उसके गले से करीब 3 तोले की सोने की चेन लूट ली।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को मंगली मल्लम्मा नामक महिला सब्जियां खरीदने के लिए सदाशिवपेट बाजार पहुंची थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात एक अज्ञात दंपती से हुई। बातचीत के दौरान दोनों ने महिला से परिचय बढ़ाया और कथित तौर पर उसे अपने साथ कल्लू की दुकान पर ले गए।

आरोप है कि वहां महिला को कल्लू पिलाया गया। इसके बाद दंपती ने महिला को बाइक पर उसके घर के पास छोड़ने की बात कही। महिला उनके साथ बाइक पर रवाना हो गई। इसी दौरान रास्ते में आरोपियों ने कथित तौर पर उसके चेहरे पर नशीला पदार्थ छिड़क दिया।

नशीले पदार्थ के प्रभाव में महिला के असहाय होने का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने उसके गले में पहनी करीब 3 तोले की सोने की चेन निकाल ली और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की।

शिकायत मिलते ही सदाशिवपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। पुलिस की सक्रियता के चलते महज 24 घंटे के भीतर ही इस वारदात का खुलासा कर दिया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों की पहचान कोठागोल्ला बाबू और उसकी पत्नी कविता के रूप में की। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन बरामद कर ली।

पुलिस ने गिरफ्तार दंपती को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें रिमांड पर भेज दिया गया। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है और यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपियों ने इस तरह की अन्य वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं।

महिला से परिचय बढ़ाकर उसे विश्वास में लेना, फिर उसे अपने साथ ले जाना और रास्ते में नशीला पदार्थ छिड़ककर आभूषण लूटनाइस वारदात के तरीके ने इलाके में लोगों को सतर्क कर दिया है। पुलिस ने नागरिकों से भी अनजान लोगों पर तुरंत भरोसा नहीं करने और संदिग्ध परिस्थितियों में सतर्क रहने की अपील की है।

सिकंदराबाद जनरल बाजार में खूनी हमला, ज्वेलरी वर्कशॉप कर्मचारी के सिर पर हथियार से वार

हैदराबाद, 08 अगस्त(शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के महाकाली थाना क्षेत्र के जनरल बाजार में स्थित सोने के आभूषण निर्माण वर्कशॉप में बकाया पैसों को लेकर हुआ विवाद खूनी हमले में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान वर्कशॉप कर्मचारी श्रीनिवास चारी पर हथियार से हमला किया गया। सिर पर वार लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए और काफी खून बहने लगा। घटना के बाद जनरल बाजार इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिरिसिल्ला निवासी श्रीनिवास चारी जनरल बाजार स्थित सोने के आभूषण निर्माण वर्कशॉप में कर्मचारी के रूप में काम करते हैं। बताया जा रहा है कि बकाया पैसों को लेकर उनका वर्कशॉप मालिक राजू के साथ विवाद चल रहा था। इसी लेन-देन को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो बाद में मारपीट तक पहुंच गई।

आरोप है कि इसी दौरान राजू ने श्रीनिवास चारी पर हथियार से हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल स्थानीय यशोदा अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उनकी स्थिति को देखते हुए उपचार शुरू किया है।

घटना की सूचना मिलते ही महाकाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। महाकाली स्टैशन पुलिस ने मामले से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने घटना के वास्तविक कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस बकाया रकम से जुड़े विवाद की पूरी पृष्ठभूमि की जांच कर रही है। दोनों पक्षों के बीच कितनी रकम को लेकर विवाद था ? विवाद कब से चल रहा था और घटना के समय वास्तव में क्या हुआ ? इन सभी पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हमला अचानक हुई कहासुनी का परिणाम था ? या इसके पीछे कोई पुराना विवाद अथवा रंजिश थी ?

घटना के समय वर्कशॉप में कौन-कौन मौजूद था? और गिरफ्तार आरोपी के अलावा किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है।

घटना को लेकर राज्य के स्वर्णकार समुदाय से भी एकजुट होने की अपील की गई है। स्वर्णकारों से आग्रह किया गया है कि वे मामले की पूरी जानकारी प्राप्त करें और आवश्यक कार्रवाई के लिए एकजुट होकर सहयोग करें। अपील में कहा गया है कि यह घटना केवल एक व्यक्ति से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि स्वर्णकार समुदाय की सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है।

अपील में यह भी कहा गया है कि वर्तमान समय में स्वर्णकार समुदाय पहले से ही व्यवसाय और काम-धंधे से जुड़ी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में इस प्रकार की घटनाएं भविष्य में समुदाय की सुरक्षा और व्यवसाय को लेकर चिंता बढ़ा सकती हैं। सभी स्वर्णकारों से बड़ी संख्या में एकजुट होकर पुलिस स्टेशन पहुंचने तथा अपनी सुरक्षा और व्यवसाय से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया गया है।

फिलहाल श्रीनिवास चारी स्थानीय अस्पताल यशोदा में उपचाराधीन हैं और महाकाली पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। बकाया पैसों के विवाद की वास्तविक वजह, हमले की पूरी पृष्ठभूमि, अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका तथा वर्कशॉप में मौजूद सामान की स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

बेगम बाजार में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा का संदेश दिया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से शहर के विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से अन्नदान एवं सेवा कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बेगम बाजार में आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों ने भोजन ग्रहण किया। ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति तक भोजन पहुंचाना केवल सेवा कार्य ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। अन्नदान के माध्यम से सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल एवं रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सेवा पहुंचाना और लोगों को मानव सेवा के लिए प्रेरित करना है। नियमित अन्नदान कार्यक्रम इसी सेवा भावना की एक महत्व-पूर्ण कड़ी है। सभी सदस्यों के सामूहिक सहयोग से सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

खेतों का रास्ता रोकने के आरोप में गेस्ट हाउस की चहारदीवारी ढहाई

हैदराबाद, 08 अगस्त(शुभ लाभ ब्यूरो)।

नरसिंगी मंडल के शिवुनूर गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे पूर्व मंत्री एवं सरकारी सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली के गेस्ट हाउस की निर्माणाधीन चहारदीवारी को ग्रामीणों ने ढहा दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चहारदीवारी का निर्माण उनके कृषि खेतों तक आने-जाने वाले रास्ते को बंद करने के उद्देश्य से किया जा रहा था।

ग्रामीणों का कहना है कि वे सैकड़ों वर्षों से अपनी कृषि भूमि पर खेती करते आ रहे हैं और इसी रास्ते से खेतों तक आवागमन करते हैं। उनका आरोप है कि चहारदीवारी का निर्माण पूरा होने के बाद खेतों तक पहुंचने का रास्ता बंद हो जाएगा, जिससे खेती-किसानी के कार्यों में गंभीर परेशानी उत्पन्न होगी।

ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने पहले भी निर्माण को लेकर संबंधित लोगों को अपनी आपत्ति से अवगत कराया था और रास्ता बंद नहीं करने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई। इसी के चलते ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर निर्माणाधीन चहारदीवारी को गिरा दिया।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कराने तथा खेतों तक जाने वाले रास्ते को बरकरार रखने की मांग की है। उनका कहना है कि कृषि भूमि तक आवागमन का रास्ता बंद होने से कई किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। वहीं, पूरे मामले में संबंधित पक्ष का पक्ष सामने आने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

दिविशा के जन्मदिन पर हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन दिविशा गोयल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। जन्मदिन की खुशी को सेवा कार्य से जोड़ते हुए राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने मानव सेवा का संदेश दिया। सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरित कर खुशियां बांटना जन्मदिन को यादगार बनाने का श्रेष्ठ माध्यम है।कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने दिविशा गोयल को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सुख-समृद्धि की कामना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.